

एसआईआर पर कांग्रेस के सवालों के बीच भाजपा ने चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण का दिया हवाला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों के बीच भाजपा ने चुनाव आयोग के 26 सितंबर के स्पष्टीकरण का हवाला देते हुए अपनी स्थिति रखी है। भाजपा इंदौर ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने पत्रकार-वार्ता में कहा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर से जुड़े निर्णय, फॉर्म-6, ईसीआईनेट और एक प्रशासनिक पत्र से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि अब इन मुद्दों पर चर्चा आयोग के आधिकारिक स्पष्टीकरण और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए।

चावड़ा ने कहा कि आयोग के अनुसार एसआईआर से संबंधित निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर राजनीतिक दावों के साथ आयोग के आधिकारिक पक्ष को भी सामने रखा जाना चाहिए।

फॉर्म-6 को लेकर चावड़ा ने कहा कि



एसआईआर के दौरान नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 के साथ निर्धारित घोषणा-पत्र का प्रावधान किया गया है। आयोग की वेबसाइट पर एसआईआर-2026 के तहत फॉर्म-6 और संबंधित घोषणा-पत्र उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस विषय पर आयोग के निर्देशों और न्यायालय में हुई कार्यवाही को भी चर्चा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र से जुड़े

विवाद का उल्लेख करते हुए चावड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण के अनुसार यह मामला आयोग में प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी से जुड़े प्रशासनिक विषय से संबंधित था। उन्होंने कहा कि इसे एसआईआर की पूरी प्रक्रिया से जोड़ने के बजाय आयोग के

विवाद का उल्लेख करते हुए चावड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण के अनुसार यह मामला आयोग में प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी से जुड़े प्रशासनिक विषय से संबंधित था। उन्होंने कहा कि इसे एसआईआर की पूरी प्रक्रिया से जोड़ने के बजाय आयोग के

और नियमों के अनुपालन की समीक्षा करेगी। ईसीआईनेट चुनाव से संबंधित सूचनाओं और सेवाओं के लिए चुनाव आयोग का एकीकृत डिजिटल मंच है, जिसे आयोग ने जनवरी 2026 में शुरू किया था।

चावड़ा ने कहा कि एसआईआर जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन आरोपों और दावों का आधार भी तथ्यों के साथ सामने आना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से चुनाव आयोग के 26 सितंबर के स्पष्टीकरण के बाद अपने उठाए गए सवालों और दावों का आधार सार्वजनिक करने को कहा।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से जुड़े विषय सीधे मतदाताओं से संबंधित हैं। ऐसे में पूरी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों और आम लोगों के बीच तथ्यात्मक जानकारी स्पष्ट रहना जरूरी है। चावड़ा ने कहा कि अब एसआईआर, फॉर्म-6, ईसीआईनेट और संबंधित प्रशासनिक विषयों पर आगे की चर्चा चुनाव आयोग के आधिकारिक दस्तावेजों, न्यायालय के आदेशों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेभर में आयोजित हुए ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम

मंत्री, विधायकों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने आंगनवाड़ी केंद्रों में पहुंचकर बच्चों एवं महिलाओं से किया संवाद, कार्यकर्ताओं-सहायिकाओं का किया सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों पर ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में मंत्री, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने



सिलावट ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र के हितग्राहियों से संवाद किया तथा उन्हें सम्मानित किया। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रमों का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित सेवाओं को जनभागीदारी से जोड़ना, हितग्राहियों से सीधा संवाद स्थापित करना तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

कार्यक्रमों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने मिलकर बच्चों के पोषण, महिलाओं के स्वास्थ्य एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया।

इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 18 के दुबे का बगीचा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में विधायक श्री महेंद्र हाडिया एवं पार्षद श्री नंदकिशोर पहाड़िया की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। यहां महिलाओं एवं हितग्राहियों से संवाद कर उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। हितग्राही महिलाओं ने अपने अनुभव भी साझा किए।

गौरी नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में विधायक श्री रमेश मेंदोला की उपस्थिति में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इंदौर में अंडरग्राउंड मेट्रो के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बंगाली से रीगल तक प्रस्तावित भूमिगत मेट्रो के विरोध में रविवार रात बंगाली चौराहे पर महावीर नगर, गोयल नगर, साईनहा कॉलोनी और तिलक नगर के रहवासियों ने कैंडल मार्च निकालकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन किया। रहवासी अंकित दुबे ने बताया कि आंदोलन के माध्यम से प्रमुख मांग स्पष्ट है कि अंडरग्राउंड मेट्रो को रीहायशी क्षेत्रों से नहीं निकाला जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय रहवासियों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए मेट्रो के मार्ग को लेकर सरकार और संबंधित अधिकारियों को रहवासियों से संवाद करना चाहिए। लोगों की चिंताओं का समाधान संवाद और उचित विकल्पों पर विचार करके किया जाना चाहिए। आंदोलन के दौरान रहवासियों ने मेट्रो कार्यालय के बाहर दीप जलाए और कैंडल मार्च निकाला। इसके साथ ही सांकेतिक रूप से टेंडर की प्रति फाड़कर विरोध दर्ज कराया। इधर बिचौली हस्पी लाइट हाउस प्रोजेक्ट में एसआईटी जांच की मांग-बिचौली हस्पी स्थित लाइट हाउस प्रोजेक्ट की बदहाली की एसआईटी जांच की मांग उठी है। मामले में एक जनहित याचिका पहले से चल रही है। याचिकाकर्ता नरेंद्र गोस्वामी ने इस जनहित याचिका में अंतरिम आवेदन प्रस्तुत कर दो मांगें उठाई हैं। मांग की गई है कि लाइट हाउस प्रोजेक्ट में किए गए घंटिया निर्माण की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराई जाए। इसके साथ ही एसआईटी की जांच पूरी होने तक इस पूरे प्रोजेक्ट को रहवासी संघ को हैंडओवर करने पर रोक लगाने की मांग की गई है। कोर्ट में दिए आवेदन में गोस्वामी ने कहा है कि प्रोजेक्ट में लीकेज, सीपिज, प्लांबिंग सहित कई तकनीकी खामियां हैं।

जिले के सभी 610 गांवों में घर-घर से कचरा संग्रहण की होगी व्यवस्था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पेयजल स्रोतों के सुदृढ़िकरण एवं भूजल संवर्धन तथा इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में विधायक सुश्री उषा ठाकूर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन के संबंध में भी चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले में भूजल संरक्षण एवं संवर्धन के संबंध में चलाये गये जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कराये गये कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि यह कार्य लगातार जारी रखे जाये। जिले में सभी शासकीय भवनों में वॉटर रिचार्जिंग के कार्य अनिवार्य रूप से कराये जाये। जिले में बन रहे सभी बन रहे प्रधानमंत्री आवास में भी इस तरह के कार्य अनिवार्य रूप से हो।

बैठक में बताया गया कि जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है। अभियान के तहत जन भागीदारी से व्यापक स्तर पर

कार्य कराये गये है। जिले में मार्च से लेकर गत जून माह तक अभियान अवधि में जन सहयोग से 2088 रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के कार्य कराये गये है। इसी तरह 309 रिचार्ज पिट बनाये गये है। जिले में 373 कुंओ तथा 481 हेडपम्प का रिचार्ज का कार्य भी हुआ है। इसी प्रकार 79 चेकडेम/स्टाफ डेम, 93 तालाब और 21 बावड़ियों के जीर्णोद्धार के कार्य कराये गये है। जिले में 6 नए तालाब भी बनाये गये है। अमृत सरोवर योजना में भी 101 नए तालाब जिले में विगत वर्ष बनाये गये।

बैठक में जिले में स्वच्छता मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता प्रबंधन के लिये कराये जाने वाले कार्यों के संबंध में भी चर्चा की गई। बताया गया कि इसके तहत जिले के सभी गांवों में घर-घर से कचरा संग्रहण की व्यवस्था की जायेगी। साथ ही संग्रहित कचरे के सुरक्षित परिवहन और उसका वैज्ञानिक तरीकों से प्रसंस्करण सुनिश्चित कराया जायेगा। इसके लिये पीपीपी मॉडल पर कार्य कराने के संबंध में चर्चा हुई। बताया गया कि इसके लिये जिले के सभी 610 गांवों को 56 क्लस्टर में विभाजित कर कार्ययोजना का मूर्त रूप दिया जायेगा। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिये कि यह कार्ययोजना शीघ्र क्रियान्वित की जाये।

आंगन मिलन उत्सव में बच्चों के साथ मनाई खुशियां, 130 आंगनवाड़ी केंद्रों पर हुए कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला मोर्चा ने आंगन मिलन उत्सव का आयोजन किया। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता शहर और ग्रामीण क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों पर पहुंचीं और बच्चों व पालकों के साथ उत्सव मनाया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान करने के साथ बच्चों को पोषण आहार की जानकारी दी गई और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं।



भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी महिला कार्यकर्ताओं के साथ आजाद नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचीं। उन्होंने बच्चों के साथ केक काटकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। इस दौरान बच्चों को केक खिलाया गया और बच्चों ने भी जोशी के साथ केक साझा किया। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का सम्मान किया तथा बच्चों को पाठ्य सामग्री, खेल सामग्री और खाद्य सामग्री वितरित की।

आजाद नगर स्थित केंद्र पर बच्चों ने वंदे मातरम् और भारत माता के जयकारे लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में शिक्षा संदीप

दुबे, लक्ष्मी अनिल गौहर, भावना मनोज मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

श्रेष्ठा जोशी ने बताया कि इंदौर नगर में 130 आंगनवाड़ी केंद्रों पर आंगन मिलन उत्सव आयोजित किया गया। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों के नेतृत्व में कार्यक्रम हुए। इस दौरान मातृशक्ति और बच्चों को पोषण आहार के महत्व की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन में योगदान देने वाली कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान भी किया गया।

इधर, भाजपा इंदौर ग्रामीण महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष किरण सूर्यवंशी ने कैटे रोड स्थित संजय नगर आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को फल और मिठाई वितरित की। उन्होंने बच्चों के साथ

मिठाई का स्वाद भी लिया और उनसे केंद्र में मिलने वाले पोषण आहार की जानकारी ली। बच्चों ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन अलग-अलग प्रकार का आहार दिया जाता है।

सूर्यवंशी ने बच्चों को पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी देते हुए अंकुरित अनाज और मोटे अनाज को भोजन में शामिल करने की बात कही। उन्होंने मिलेट्स के पोषण संबंधी महत्व का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में शामिल गर्भवती महिलाओं ने शासन की योजनाओं को लेकर अपने अनुभव साझा किए और आर्थिक सहायता सहित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया।

किरण सूर्यवंशी ने बताया कि इंदौर ग्रामीण की चारों विधानसभा क्षेत्रों में आंगन मिलन उत्सव के तहत महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने आंगनवाड़ी केंद्रों पर पहुंचकर बच्चों और पालकों के साथ कार्यक्रम आयोजित किए। इस अवसर पर सविधा कटारे, भारती पाटीदार, पार्षद विभूति ठकुराल, पार्षद सीमा चौहान, भारती चौधरी, किरण चौहान सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 6 अक्टूबर को



जायेगी। आयोजन की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में एनीमिया मुक्त भारत एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की अंतर्विभागीय बैठक आयोजित की गई।

इसी बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 06 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के आयोजन के संबंध में पूरी तैयारी कर लें एवं 09 अक्टूबर 2026 को होने वाले मॉपअप राउंड के लिए भी समस्त तैयारी करके रखें, साथ ही प्रमुख कार्यक्रम एनीमिया मुक्त भारत जिसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। समस्त स्कूल में पर्याप्त मात्रा में आयरन की गोलिएं व आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पिलाई जाने वाली सिरप एवं 06 माह से 03 वर्ष के बच्चों को घर पर पिलाने के लिए सिरप पर्याप्त मात्रा उपलब्धता सुनिश्चित करें।

बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, अपर कलेक्टर श्री

टीएल बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश

सड़कों की मरम्मत, छात्रावासों के निरीक्षण और अवैध होर्डिंग हटाने पर विशेष जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्री रंकिश वैश्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की विभागावार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की



शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज पांच प्रकरणों के निराकरण की रैंडम समीक्षा भी की और संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की स्थिति एवं की गई कार्रवाई की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि बारिश का दौर लगभग पूर्णता की ओर है, इसलिए अब सड़कों की

मरम्मत के कार्यों में तेजी लाई जाए। संबंधित विभाग एवं नगरीय निकाय यह सुनिश्चित करें कि क्षतिग्रस्त सड़कों एवं गड्ढों की मरम्मत प्राथमिकता से की जाए। उन्होंने सड़क मरम्मत के कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में संचालित छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। छात्रावासों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा, पेयजल सहित अन्य

व्यवस्थाओं की जांच की जाए तथा कमियां पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बेसमेंट में पाकिंग व्यवस्था की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन भवनों में बेसमेंट पाकिंग के लिए निर्धारित है, वहां उसका उपयोग पाकिंग के लिए ही सुनिश्चित कराया जाए। बेसमेंट में अनधिकृत रूप से अन्य गतिविधियां संचालित पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

बैठक में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध के पालन को सख्ती से सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी रखने तथा प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाए।

अनंत चतुर्दशी की परंपरा में जुड़ा नया अध्याय, पहली बार अखाड़ा गौरव सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर की ऐतिहासिक अनंत चतुर्दशी चल समारोह की परंपरा को और सुरक्षित, व्यवस्थित एवं अनुशासित बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने पहली बार अखाड़ा गौरव सम्मान की शुरुआत की। काले समारोह के दौरान बेहतर समय प्रबंधन, अनुशासन, सुरक्षा व्यवस्था और निर्धारित मापदंडों के पालन के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन अखाड़ों को सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में गठित निर्णायक समिति ने 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी चल समारोह के दौरान रातभर अखाड़ों का अवलोकन और मूल्यांकन किया था। मूल्यांकन के बाद श्री चंद्रपाल उस्ताद व्यायामशाला, पाटनीपुरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें 51 हजार रुपये नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। श्री दास हनुमान व्यायामशाला, दास बगीची ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 31 हजार रुपये और प्रशस्ति पत्र हासिल किया, जबकि श्री बृजलाल गुरु व्यायामशाला, शंकरराज जिंसी को तृतीय स्थान के लिए 21 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

अखाड़ा गौरव सम्मान समारोह का आयोजन



28 सितंबर को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में किया गया। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने विजेता अखाड़ों के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर निर्णायक समिति के सदस्यों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इनमें वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, पूर्व प्रशिक्षक खेल एवं युवक कल्याण विभाग मध्यप्रदेश विजय सिंह बरकिया, अंतरराष्ट्रीय पहलवान एवं एनआईएस कोच विजय मिश्रा, एसडीआरएफ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं गोरियो रूप के मेंटर एल्मार जाधव, सामाजिक कार्यकर्ता रचना जौहरी तथा रेड एंग्रफम मध्यप्रदेश एवं राजस्थान की प्रोग्रामिंग हेड पिपूषा भार्गव शामिल रही।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि अनंत चतुर्दशी का चल समारोह इंदौर की ऐतिहासिक और गौरवशाली परंपरा है। इसमें झांकियों के साथ अखाड़ों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। पुलिस का उद्देश्य केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि आयोजन से जुड़े सभी पक्षों के सहयोग से इसे सुरक्षित, अनुशासित और व्यवस्थित स्वरूप देना भी है।

उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से पहली बार अखाड़ा गौरव सम्मान शुरू किया गया है, ताकि अखाड़ों को सुरक्षा और अनुशासन के बेहतर मानकों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पहल आने वाले वर्षों में भी अखाड़ों और आयोजन से जुड़े सभी पक्षों को बेहतर व्यवस्था में सहयोग के लिए प्रेरित करेगी।

समारोह के दौरान निर्णायक समिति और प्रेस क्लब के सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे अखाड़ों के बीच सुरक्षा और अनुशासन के बेहतर पालन के लिए सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अनंत चतुर्दशी चल समारोह के दौरान इंदौर पुलिस द्वारा की गई सुरक्षा, यातायात, निगरानी और अन्य व्यवस्थाओं की भी सराहना की।

आस्था के आगे झुके चोर, माता बसदेवी का चमत्कार! 47 दिन का दिया था वचन, 29वें दिन ही मवेशियों की टंकी से प्रकट हुआ चारभुजानाथ का स्वर्ण कलश



सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रद्धा और अधियारे अपराध के बीच जब आस्था की डोर मजबूत हो, तो

चमत्कार भी घुटने टेक देते हैं। सिंगोली थाना क्षेत्र के ग्राम पलासिया स्थित प्रसिद्ध श्री चारभुजानाथ मंदिर से चोरी हुआ

बहुचर्चित स्वर्ण कलश, आस्था और दैवीय संयोग के एक बेहद दुर्लभ घटनाक्रम के बीच सकुशल बरामद हो गया है।

माता बसदेवी के दरबार में लगाई गई ग्रामीणों की गुहार रंग लाई है- देवी मां द्वारा दी गई 47 दिनों की मियाद पूरी होने से काफी पहले, महज 29वें दिन ही कलश सुरक्षित मिल गया। इस सनसनीखेज और सुखद खुलासे के बाद पूरे क्षेत्र में दीवाली जैसा जश्न है।

ग्रामीण नाचते-गाते माता के दरबार में शीश नवाकर धन्यवाद देने पहुंचे हैं।

61 फीट ऊंचे शिखर से उड़या था 7 लाख का कलश- मामला बीती 26-27 अगस्त की दरमियानी रात का है, जब अज्ञात बदमाशों ने पलासिया के ऐतिहासिक चारभुजानाथ मंदिर के 61 फीट ऊंचे शिखर को निशाना बनाते हुए करीब 7 लाख रुपये की कीमत का बेशकीमती स्वर्ण कलश चुरा लिया था। इस दुस्साहसिक चोरी से समूचे अंचल के

श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश और निराशा थी। पुलिस ने सिंगोली थाने में मामला तो दर्ज कर लिया था, लेकिन सुराग हाथ नहीं लग पा रहे थे। इसी बीच ग्रामीणों ने कानून के साथ-साथ अपनी कुल देवी की अदालत का भी दरवाजा खटखटाया।

पुजारी देवीलाल भील को आया था भाव, की थी सटीक भविष्यवाणी पुलिसिया तपस्तीश के बीच हताश ग्रामीण 30 अगस्त को आदिवासी अंचल के सुप्रसिद्ध बसदेवी माता मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने चोरों का सुराग लगाने और कलश की वापसी के लिए विशेष अर्जी लगाई। क्षेत्र में गहरी धार्मिक मान्यता है कि मंदिर के पुजारी देवीलाल भील के शरीर में जब माताजी का भाव (सवारी) आता है, तो उनके मुख से निकले शब्द पत्थर की लकड़ी बन जाते हैं।

उस दौरान माताजी ने व्याकुल ग्रामीणों को ढांडस बंधाते हुए आश्वास किया था कि चिंता मत करो, 47 दिनों के भीतर चोर भी पकड़े जाएंगे और कलश भी वापस मिल

जाएगा।

29वें दिन मोखमपुरा में हुआ चमत्कार, पानी की टंकी में तैरता मिला कलश माताजी द्वारा तय की गई समयसीमा समाप्त होने से 18 दिन पहले ही, 25 सितंबर (घटना के 29वें दिन) को इस मामले में एक ऐसा मोड़ आया जिसने सबको हैरान कर दिया।

सिंगोली थाना क्षेत्र के ही पड़ोसी ग्राम मोखमपुरा में मवेशियों के पीने के पानी की एक सार्वजनिक टंकी में ग्रामीणों को एक चमकदार धातु की वस्तु तैरती हुई दिखाई दी। पास जाकर देखा तो वह चारभुजानाथ का वही चोरी हुआ स्वर्ण कलश था। ग्रामीणों की सूचना पर सिंगोली थाना पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और तत्दीक के बाद कलश को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया। माना जा रहा है कि पुलिस के बढ़ते दबाव और दैवीय भय के चलते चोर कलश को खुले में फेंककर भाग निकले।डीजे-बैंड की धुनों

पर झुमे ग्रामीण, पुलिस खंगाल रही चोरों की कुंडलीचारभुजानाथ का कलश सुरक्षित मिलने की खबर जैसे ही पलासिया और आसपास के गांवों में फैली, लोग खुशी से झूम उठे।

अपनी मन्नत पूरी होने और इस प्रत्यक्ष चमत्कार से गदगद सैकड़ों ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली और वाहनों के काफिले के साथ इकट्ठा हुए। डीजे और बैंड-बाजे की धुनों पर ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते, जयकारे लगाते हुए माता बसदेवी के दरबार में आभार व्यक्त करने पहुंचे। इधर, कलश की सुरक्षित बरामदगी के बाद सिंगोली पुलिस ने भी बड़ी राहत की सांस ली है। पुलिस अब मोखमपुरा और पलासिया के संदिग्धों के मोबाइल लोकेशन और पुराने रिकॉर्ड्स के आधार पर चोरों के नेटवर्क को खंगाल रही है। दावा किया जा रहा है कि जल्द ही आरोपी भी सलाखों के पीछे होंगे।

दलौदा में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की 3 बाइक बरामद



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना दलौदा पुलिस ने वाहन चोरी का खुलासा करते हुए एक शांतिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की 3 मोटरसाइकिलें कीमत करीब 2.40 लाख रुपये बरामद की गई हैं। बता दें कि पुलिस मुख्यालय भोपाल के निदेश पर संपर्त संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना ने सभी थाना प्रभारियों को पतारसी के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में एसपी तेजसिंह बघेल एवं एसडीओपी ग्रामीण जितेंद्र भास्कर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दलौदा अनि रविंद्र प्रताप डांगी की टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार फरियादी मुकेश पिता मूलचंद पाटीदार (30) निवासी रेलवा थाना रिंगनोद जिला रतलाम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गत 26 सितंबर को सुबह 8 बजे उसने बाइक एमपी 43 डीएस 4051 विनायक स्कूल के सामने दुकान पर खड़ी की थी।

आधे घंटे बाद लौटने पर बाइक गायब मिली। पुलिस ने टीम गठित कर मुखबिर तंत्र और तकनीकी सहाय जुटाए, घटनास्थल व रूट के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। मुखबिर सूचना पर आरोपी राजू पिता मोहनलाल मीणा (30) निवासी निम्बोद थाना भावगढ़ जिला मंदसौर को पकड़ा, उसके कब्जे से चोरी गई बाइक बरामद हुई पूछताछ में आरोपी ने अन्य चोरियां भी कबूल कीं।

उसकी निशानदेही पर ग्राम धुंधड़का व कस्बा दलौदा से चोरी हुई 2 अन्य चुराई हुई बाइकें भी बरामद की गईं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अनि रविंद्र प्रताप सिंहडांगी, प्र.आर. जितेंद्र त्रिवेदी, प्र.आर. दीपेंद्र सिंह, प्र.आर. यादवेंद्र सिंह, आर. सुनील यादव, आर. युवराज सिंह की भूमिका रही।

मंदिर समेत दो मकानों में चोरी, नकदी-जेवर और दानपेटी ले गए बदमाश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया क्षेत्र में सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर चोरी की 3 घटनाएं हुईं। खाल्याखेड़ी मार्ग स्थित तुरंत बालाजी मंदिर में अज्ञात बदमाश दानपेटी चोरी कर ले गए, वहीं उमरिया और बालागुवा गांव में भी मकानों के ताले तोड़कर नकदी व चांदी-सोने के जेवरात चोरी किए गए। तीनों घटनाओं में पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

खाल्याखेड़ी मार्ग

स्थित तुरंत बालाजी मंदिर में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 1.30 से 2 बजे के बीच दो अज्ञात बदमाश पहुंचे। बदमाशों ने मंदिर के गेट का नकुचा तोड़ा और अंदर प्रवेश कर दानपेटी उठाकर ले गए। दानपेटी में करीब 20 हजार रुपए होने की जानकारी सामने आई है। घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। सुबह पुजारी दीपक जोशी मंदिर पहुंचे तो चोरी का पता चला। सूचना मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। पंडित दीपक जोशी,



PRESS NIKHIL SONI 28 September 2025 at 15:35

बालकृष्ण माली, हरीश माली, राकेश शर्मा सहित अन्य लोगों ने पुलिस को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी लिया है। इसी तरह उमरिया गांव में पन्नालाल पिता शंकरलाल मालवीय के मकान में चोरी हुई। पन्नालाल सुबह करीब 10 बजे घर पर ताला लगाकर खेत पर दवाई का छिड़काव करने गए थे। उनकी पत्नी कुशल बाई और पुत्र सुमीत यात्रा पर गए हुए थे। दोपहर करीब 2 बजे पड़ोसी ने फोन कर घर का ताला टूटे होने की सूचना दी। घर

पहुंचने पर सामान बिखरा मिला। जांच में करीब 25 हजार रुपए नकद, चांदी की पोची, दो जोड़ी पायजेब, बच्चे के कड़े की एक जोड़ी, चांदी की चूड़ियां और दो जोड़ी छोटी बिछिया गायब मिलीं। बालागुवा गांव में संदीप पिता सुरेशचंद्र प्रजापत के मकान को भी बदमाशों ने निशाना बनाया। संदीप सुबह करीब 9.30 बजे घर पर ताला लगाकर वेलेंडों की दुकान पर चला गया था। दोपहर करीब 2.30

बजे काका दिनेशचंद्र ने फोन कर ताला टूटे होने की सूचना दी। घर पहुंचने पर गोदरेज की अलमारी खुली मिली। जांच में सोने के मंगलपूत्र का पेंडल, चांदी का कंदोरा, दो जोड़ी पायजेब, छोटे बच्चे के चांदी के दो जोड़ी कड़े और 20 हजार रुपए नकद गायब मिले। टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया कि पुलिस तीनों मामलों में घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है तथा अज्ञात बदमाशों की तलाश की जा रही है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला पर्यटन कॉन्क्लेव संपन्न

नीमच की प्राकृतिक और ऐतिहासिक विरासत बनेगी पर्यटन विकास का आधार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पर्यटन कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। कॉन्क्लेव में जिले की प्राकृतिक,ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं स्थानीय पर्यटन संभावनाओं के विकास को लेकर विभिन्न हितधारियों एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अनुभवी व्यक्तियों के साथ चर्चा की गई।

बैठक में नीमच में प्रारंभ हुए चीता प्रोजेक्ट को पर्यटन विकास से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। चीता प्रोजेक्ट के आसपास पर्यटकों के ठहरने के लिए होमस्टे विकसित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए। रामपुर एवं बसी के बीच भी होमस्टे की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए सीईओ जनपद पंचायत मनासा को निर्देशित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के



लिए चीता प्रोजेक्ट आधारित एजुकेशनल टूर का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

रामपुरा में वॉटर टूरिज्म की संभावनाओं पर चर्चा- रामपुरा के रिंग वाटर क्षेत्र को वॉटर टूरिज्म एवं एडवेंचर टूरिज्म से जोड़ने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। यहां मोटर बोट, वॉटर स्पोर्ट्स, निर्धारित वॉटर रूट, सनराइज एवं सनसेट प्वाइंट, जियोलॉइन, रॉक क्लाइम्बिंग, साइकिल टूर और कैपिंग जैसी गतिविधियों की संभावनाओं पर चर्चा

की गई।

पर्यटकों के लिए टूरिस्ट मोटल, रेस्टोरेंट, ट्रेवल एजेंसी, रिसेप्शन एवं बुकिंग सुविधा, स्विमिंग पूल और होमस्टे जैसी सुविधाएं विकसित करने पर भी विचार किया गया। इसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए साइनेज लगाने के निर्देश- कलेक्टर श्री चंद्रा ने जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच सुगम बनाने के लिए प्रमुख मार्गों पर डायरेक्शन बोर्ड एवं साइनेज लगाने संबंधी प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

तारापुर की साड़ी प्रिंट को पर्यटन से जोड़ने पर जोर- जावद विकासखंड के तारापुर की स्थानीय साड़ी प्रिंट कला को पर्यटन से जोड़ने और इसे व्यापक पहचान

दिलाने पर विशेष चर्चा हुई। स्थानीय कला एवं शिल्प को पर्यटन गतिविधियों से जोड़कर स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने तथा ग्रामीण स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

ऐतिहासिक विरासत और स्थानीय संस्कृति को मिलेगा पर्यटन से जुड़ाव- कॉन्क्लेव में 1857 की क्रांति से जुड़े प्रमुख स्थलों को चिह्नित कर विकसित करने, ऐतिहासिक किलों एवं बाड़ियों के संरक्षण तथा उन्हें पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने पर चर्चा हुई। जिले के इतिहासकार डॉ. सुरेंद्र सकावत ने नीमच में संग्रहालय विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नीमच को प्रसिद्ध इतिहासकार एवं पुरातत्वविद श्री वाकणकर की जन्मस्थली से जोड़ते हुए जिले की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता बताई।

जिले में इको टूरिज्म, लोकल कल्चरल

हब, मालवी व्यंजन, स्थानीय खाद्य पदार्थ एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण एवं जनजागरूकता केंद्र और पर्यावरण शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। भविष्य में जंगल सफारी शुरू करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले की पर्यटन संभावनाओं को विकसित करने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए ठोस प्रस्ताव तैयार करने और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

कॉन्क्लेव में सीईओ जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, एसडीएम मनासा श्रीमती मधुरी जोक,पीओ डूड्ड एवं डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्र सिंह धावे,जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती ऐश्वर्या मूंदड़ा, पर्यटन विभाग द्वारा नामित टूरिस्ट गाइड श्री हिमंत सिंह चंद्रावत, टूर ऑपरेटर्स सहित संबंधित अधिकारी एवं हितधारक उपस्थित रहे।

अवैध तथा नकली शराब एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध ली जाएगी एक्शन

समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने दी चेतावनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को आयोजित समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने निर्देशित किया कि जिले में अवैध तथा नकली शराब एवं मिलावटी खाद्य पदार्थ की किसी भी स्थिति में बिक्री नहीं हो यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि यदि संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो उन अधिकारियों के विरुद्ध एक्शन लेने में देरी नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि आबकारी, राजस्व तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग अपने कर्तव्य का निर्वहन सुनिश्चित करें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें कार्य में ढिं/लाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।



कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध तथा नकली शराब तथा मिलावटी खाद्य पदार्थ के मामलों में संदेश जाना चाहिए कि विभाग कार्रवाई कर रहे हैं कार्रवाई नजर भी आना चाहिए। कलेक्टर ने जिले के सभी एसडीएम को भी निर्देशित किया कि वह भी कार्रवाइयों में सम्मिलित रहे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि राजस्व विभाग तेजी से निराकरण करें विभाग के पास पर्याप्त अमला है परंतु शिकायतों की संख्या फिर भी ज्यादा

है। सभी विभागों के कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में संतुष्टि पूर्वक शिकायतों का निराकरण किया जाना है कार्य को अत्यंत गंभीरता से लेना है। बैठक में कलेक्टर द्वारा जिले में जर्जर भवनों को ध्वस्त करने नगर पालिकाओं द्वारा कर वसूली मंदसौर कृषि उपज मंडी में किया जा रहे सुधार कार्यों की भी समीक्षा की गई मंडी के संदर्भ में एसडीएम श्री पाटीदार ने बताया कि मंदसौर मंडी में सफाई शौचालय साईनेज निर्माण संकेतक ठोकर वितरण महिलाओं के लिए व्यवस्था 108 एम्बुलेंस रेस्ट रूम सीसीटीवी इत्यादि व्यवस्थाओं पर कार्य किया जा रहा है कलेक्टर द्वारा बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय कार्यक्रमों आयोजनों की सूचना समय सीमा में सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से पहुंचाई जाए।

दलौदा में ईओडब्ल्यू ने जाल बिछाया, 3500 की रिश्तत लेते रंगे हाथों धराए सरपंच और पति

लोन के लिए चाहिए था पंचायत का प्रमाण पत्र, 5000 से सोदा 4000 में तय हुआ था

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर के दलौदा नगर से भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की खबर सामने आई है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई उज्जैन द्वारा ग्राम पंचायत दलौदा की सरपंच दुर्गा कैथवास एवं सरपंच प्रतिनिधि अनिल कैथवास के विरुद्ध ट्रेप कार्रवाई की गई है। यहां ईओडब्ल्यू की टीम को जल बिछाना पड़ा। उज्जैन ईओडब्ल्यू की टीम ने दलौदा पंचायत में छापामार कार्रवाई करते हुए सरपंच और उनके पति को 4 हजार रुपये की रिश्तत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मामले के मुताबिक आवेदक विक्रम सिंह पिता तखत सिंह, निवासी मुवाला, तहसील सीतामऊ ने पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू उज्जैन को लिखित शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि उनके पिता तखत सिंह द्वारा ग्राम पंचायत दलौदा के अंतर्गत एक भूखंड ऋय किया गया था, जिसका नामांकरण हो चुका था। नक्शे के अनुरूप निर्माण अनुमति के लिए पंचायत प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी, जो लोन लेने के लिए बैंक में देना था। इस प्रमाण पत्र को देने के बदले सरपंच श्रीमती दुर्गा



कैथवास द्वारा अपने पति अनिल कैथवास के माध्यम से 5000 रुपये की मांग की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू उज्जैन समर वर्मा द्वारा शिकायत की तत्दीक कार्रवाई गई तो रिश्तत की राशि 5000 रुपये के स्थान पर 4000 रुपये तय होना पाई गई। इसमें से 500 रुपये की राशि आवेदक द्वारा अग्रिम के रूप में दी जा चुकी थी। शेष 3500 रुपये दिनांक 28.09.2026 को दिया जाना तय हुआ था। शिकायत सही पाए जाने पर ईओडब्ल्यू की टीम ने ट्रेप की योजना बनाई। दिनांक 28.09.2026 को टीम ने कार्यालय ग्राम पंचायत दलौदा के कक्ष में आवेदक विक्रम सिंह से 3500 रुपये की रिश्तत लेते हुए दुर्गा कैथवास सरपंच एवं अनिल कैथवास सरपंच प्रतिनिधि को रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक रामनिवास यादव, निरीक्षक रीमा यादव, निरीक्षक अर्जुन मालवीय, उप निरीक्षक अशोक राव, प्रभार मोहन पाल, प्रभार लोकेन्द्र सिंह देवड़ा, प्रभार मनोज सिरवाईया, आरक्षक राकेश जटिया, महिला आरक्षक मनीषा रावत, आरक्षक भरत मंडलौई, आरक्षक चंद्रशेखर राय शामिल रहे।

रुपये तय होना पाई गई। इसमें से 500 रुपये की राशि आवेदक द्वारा अग्रिम के रूप में दी जा चुकी थी। शेष 3500 रुपये दिनांक 28.09.2026 को दिया जाना तय हुआ था। शिकायत सही पाए जाने पर ईओडब्ल्यू की टीम ने ट्रेप की योजना बनाई। दिनांक 28.09.2026 को टीम ने कार्यालय ग्राम पंचायत दलौदा के कक्ष में आवेदक विक्रम सिंह से 3500 रुपये की रिश्तत लेते हुए दुर्गा कैथवास सरपंच एवं अनिल कैथवास सरपंच प्रतिनिधि को रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक रामनिवास यादव, निरीक्षक रीमा यादव, निरीक्षक अर्जुन मालवीय, उप निरीक्षक अशोक राव, प्रभार मोहन पाल, प्रभार लोकेन्द्र सिंह देवड़ा, प्रभार मनोज सिरवाईया, आरक्षक राकेश जटिया, महिला आरक्षक मनीषा रावत, आरक्षक भरत मंडलौई, आरक्षक चंद्रशेखर राय शामिल रहे।

राष्ट्रीय श्रम मंत्री के नाम मंदसौर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन ने सौंपा झापन



एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 12 और 13 जून 2026 को कोलकाता में हुई। कार्यसमिति बैठक में विभिन्न मांगों को लेकर एक रिजॉल्यूशन पास किया गया, जिसमें चार श्रमिक कानूनों को लेकर समीक्षा की गई और इसमें कुछ आपत्ति, संशोधन और सुझाव प्रस्तावित किए गए। इसमें श्रमिकों के हड़ताल के अधिकार और सामूहिक चर्चा की सुरक्षा, सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के लिए वैधानिक कार्य नियमों का निर्माण, सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के लिए फिक्स्ड टर्म रोजगार प्रणालियों को हटाना और न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम वेतन व महंगाई भत्ते का उचित निर्धारण, सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के लिए मनमाने वेतन कटौती के खिलाफ सुरक्षा, भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान को 12 प्रतिशत पर बहाल करना, सामाजिक सुरक्षा, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा उपायों और श्रमिक कल्याण सुरक्षा को मजबूत करना है। इन्हें मांगों को लेकर एक रिजॉल्यूशन की प्रतिलिपि संलग्न कर इस झापन का वाचन मंदसौर यूनियन अध्यक्ष दिनेश चंदवानी किया और सचिव उपेन्द्र राव ने सौंपा। इस अवसर पर लोकेश देश, त्रिनेंद्र सिंह, विनोद बसरे, संदीप भावसार, विकास कुमार, कैलाश चौहान, इंदरीश खान, अनिल शर्मा, विपेंद्र सिंह, बिजेंद्र झा, अनिरुद्ध सिंह सोलंकी, अभिषेक कुमार, पवन बैरागी, भारत सिंह, विष्णु शर्मा, दशरथ माली और महेश कुमार उपस्थित थे।

सम्पादकीय

चमत्कारों के बाजार में वैज्ञानिक चेतना की तलाश

भारत की शक्ति उसकी आस्था में ही नहीं, उसकी ज्ञान-परंपरा में भी रही है। समस्या पूजा, राधना या धार्मिक विश्वास में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब चमत्कार को प्रमाण और अंधविश्वास को विवेक का विकल्प बना दिया जाता है। ज्योतिष, हस्तरेखा, भविष्यवाणी, तंत्र-मंत्र अथवा चमत्कारों के दावों के पीछे समाज की असुरक्षा और अनिश्चितता भी काम करती है। ऐसे समय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ धर्म-विरोध नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने और प्रमाण खोजने की आदत विकसित करना है। बच्चों को केवल उत्तर याद कराने के बजाय सवाल करना सिखाना होगा। मंदिरों के साथ प्रयोगशालाएँ, आस्था के साथ विवेक और परंपरा के साथ वैज्ञानिक चेतना ही आधुनिक भारत की वास्तविक आवश्यकता है।

आज के भारत में एक दिलचस्प विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर देश अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल तकनीक, चिकित्सा, जैव-प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, दूसरी ओर समाज के अनेक हिस्सों में चमत्कार, भविष्यवाणी, ज्योतिष, हस्तरेखा, तंत्र-मंत्र और तथाकथित दैवीय शक्तियों के दावों का आकर्षण बना हुआ है। समय-समय पर नए धार्मिक स्थल, आध्यात्मिक केंद्र और लोकप्रिय संत चर्चा में आते हैं। कोई धाम श्रद्धा का केंद्र बनता है तो किसी कथावाचक या संत के अनुयायियों की संख्या तेजी से बढ़ती है। यह केवल धर्म का विषय नहीं, बल्कि समाज की मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक प्रवृत्तियों को समझने का विषय भी है।

व्यंग्य में कहा जा सकता है कि हमारे यहाँ समय-समय पर नए-नए ‘भगवान’ लोकप्रिय हो जाते हैं। लेकिन इस व्यंग्य के पीछे एक गंभीर सवाल छिपा है—आखिर लोगों को चमत्कारों और अलौकिक दावों में इतना आकर्षण क्यों दिखाई देता है?

मनुष्य स्वभाव से जिज्ञासु होने के साथ-साथ अनिश्चितताओं से भयभीत भी होता है। बीमारी, बेरोजगारी, विवाह, संतान, परीक्षा, नौकरी, आर्थिक संकट और भविष्य की चिंता उसे ऐसे उत्तरों की तलाश में ले जाती है जो तत्काल आश्वासन दे सकें। विज्ञान कई बार किसी समस्या का उत्तर खोजने में समय लेता है। इसके विपरीत कोई व्यक्ति यदि कुछ मिनटों में भविष्य बतावे, बीमारी का कारण समझावे या समस्या के समाधान का दावा कर दे, तो संकट में घिरा व्यक्ति उसकी ओर आकर्षित हो सकता है। यही वह मनोवैज्ञानिक जमीन है, जहाँ अंधविश्वास का बाजार तैयार होता है। भारत में हाथ की रेखा देखकर भविष्य बताने वाले, विवाह और करियर की भविष्यवाणी करने वाले, ग्रह-दशा के आधार पर जीवन की दिशा तय करने वाले और चमत्कारों के दावे करने वाले अनेक लोग लोकप्रिय होते रहे हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और व्यापक बना दिया है। पहले किसी दावे को सीमित क्षेत्र के लोग सुनते थे; अब एक वीडियो कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। दृश्य प्रभाव, भावनात्मक भाषा और व्यक्तिगत अनुभवों की कहानियाँ किसी दावे को प्रमाण जैसा बना सकती हैं, जबकि व्यक्तिगत अनुभव वैज्ञानिक प्रमाण के समान नहीं होता।

यहाँ वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जरूरत सामने आती है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति पूजा न करे, मंदिर न जाए या अपनी धार्मिक मान्यताओं को छोड़ दे। आस्था निजी जीवन का विषय है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास का अधिकार है। लेकिन किसी प्राकृतिक घटना, बीमारी, उपचार या चमत्कार संबंधी दावे को केवल श्रद्धा के आधार पर सत्य मान लेना वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण कहता है—प्रश्न पूछिए, प्रमाण देखिए, परीक्षण कीजिए और यदि प्रमाण बदलें तो अपनी धारणा बदलने के लिए भी तैयार रहिए।

भारतीय ज्ञान-परंपरा स्वयं प्रश्न और जिज्ञासा से भरी रही है। आर्यभट्ट से लेकर आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों तक हमारी परंपरा ने गणित, खगोल विज्ञान, भौतिकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी भारतीय वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ विश्वभर में अपनी क्षमता का परिचय दे रहे हैं। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि भारत वैज्ञानिक सोच से अपरिचित देश है। असली चुनौती यह है कि वैज्ञानिक चेतना समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितनी गहराई से पहुँच रही है।

दुनिया के तकनीकी विकास को देखें तो जीपीएस, गुगल, माइक्रोसॉफ्ट, यूट्यूब, फेसबुक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों के पीछे वर्षों का शोध, प्रयोग, निवेश और असफलताओं से सीखने की प्रक्रिया रही है। इनका निर्माण किसी चमत्कार के दावे से नहीं, बल्कि समस्या को पहचानने, सवाल पूछने, प्रयोग करने और समाधान विकसित करने से हुआ। भारत में भी ऐसी प्रतिभा मौजूद है। प्रश्न यह है कि हम उस प्रतिभा को किस दिशा में प्रेरित कर रहे हैं?

हमारे विद्यार्थियों की भूमिका यहाँ सबसे महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे को हर प्रश्न का उत्तर केवल परंपरा के हवाले से दिया जाएगा, तो उसकी जिज्ञासा सीमित हो सकती है। यदि उसे कहा जाएगा कि प्रश्न पूछो, प्रमाण खोजो और स्वयं जाँचो, तो वही बच्चा भविष्य में शोधकर्ता, वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर या नवाचारी उद्यमी बन सकता है।

वैज्ञानिक चेतना विकसित करने के लिए परिवार, विद्यालय, मीडिया और सामाजिक संस्थाओं—सभी को अपनी भूमिका समझनी होगी। मीडिया को चमत्कार के दावों को सनसनी के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उनके तथ्यात्मक पक्ष की जाँच करनी चाहिए।

जीवन यज्ञ में स्वाहा से स्वधा की यात्रा ही भवसागर से मुक्ति है



परमात्मा से भवसागर से पार कराने की विनती हम अक्सर भजनों में सुनते रहते हैं। तथा अधिकांश व्यक्ति यह सोचते हैं कि मृत्यु के समय हमें भवसागर को पार कर जाना होगा। परन्तु वास्तविकता यह है कि भवसागर को जीवित जागृत अवस्था में ही पार किया जा सकता है। मनुष्य का शरीर स्वयं में एक संपूर्ण ब्रह्माण्ड है। हमारे शरीर में अनेक चक्रों, नाड़ियों व कुंडलिनी शक्ति को अत्यंत ही सुंदर व सुस्र्म तरीके से व्यवस्थित किया गया है। इसमें आत्मा श्री शिव का व कुंडलिनी श्री आदिशक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। ज्ञान के अभाव में हमारी चेतना सांसारिक वस्तुओं व भौतिकता की ओर अधिक आकृष्ट होती है और हम प्रत्येक सांसारिक वस्तु का उपयोग करना चाहते हैं और यही भवसागर में डूबने का कारण है। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी ने वर्णन किया है कि, श्री कृष्ण ने कहा है कि मानव चेतना नीचे की ओर जाती है और मानव चेतना की जड़ मस्तिष्क में होती हैं। और जब मनुष्य नीचे की ओर जाने लगता है तो वह परमात्मा के विपरीत दिशा में गति करता है। हम.... भवसागर में पैदा होते हैं.. भवसागर का सार स्वाहा है और उद्देश्य स्वधा है। स्वाहा का अर्थ है सेवन, सभी विषों का सेवन, हर चीज का सेवन। और स्वधा एक है। इसका अर्थ है कि स्व आत्मा है और ध का अर्थ है धारण करने वाला। तो आत्मा का धर्म, जब यह आप में आता है, तब आप गुरु बन जाते हैं। तो भवसागर में, यह स्वाहा और स्वधा दोनों हैं। स्वाहा से आपको स्वधा में जाना होगा। यदि आप स्वधा अवस्था में आ जाते हैं तो आपके भीतर महालक्ष्मी जागृत हो जाती है और आप ऊपर उठने लगते हैं। इसे 'उर्ध्वगति' कहा जाता है-उत्थान की ओर जाना। अवरोही पक्ष को 'अधोगति' कहा जाता है। आदिशक्ति स्वरूपा श्री माताजी गुरुओं की भी गुरु हैं वे उनके द्वारा स्थापित सहजयोग मानव की भवसागर के पार ले जाने का अत्यंत सुगम मार्ग है। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के पश्चात् आप अपने गुरुत्व के मार्गदर्शन में माया के बंधनों से मुक्त रहकर स्वधा को प्राप्त करने हेतु अग्रसर होते हैं। इतना ही नहीं वरन् आत्म ज्ञान के प्रकाश में कुंडलिनी शक्ति की ऊर्जा द्वारा प्रेममय व करुणामय तरीके से अनेकानेक साधकों को स्वाहा से स्वधा की ओर ले जा कर भवसागर से मुक्ति का मार्ग दिखा सकते हैं। भवसागर से मुक्ति का अर्थ संसार का त्याग नहीं वरन् सांसार का उपभोग करते हुएे सृष्टि की संपदा का आनंद लेते हुए उससे अलिप्त रहना है। यही सहजयोग है।

मध्यप्रदेश की ‘मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा’ का तीसरे दिन ही ऐसा इतिहास हुआ कि नाम ‘सुगम’ और नतीजा ‘गम’ बन गया। दो दिन पहले डोल-नागाईं, कैमरों और भाषणों के बीच जिस सेवा का शुभारंभ हुआ था, उसी की पीएम ई-बस (इलेक्ट्रिक) ने तीसरे दिन इंदौर के राजवाड़ा पर राहगीरों और ऑटो/ई-रिक्शा को टक्कर मारते हुए दुकान के काउंटर तक पहुँचकर हादसा कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों में ब्रेक फेल होने या चालक की गफलत की बात कही जा रही है। एक नागरिक की मौत हुई, दो-तीन लोग घायल हुए। जनता के लिए शुरू हुई सेवा तीसरे दिन अस्पताल पहुँचाने लगे, तो सवाल बस का नहीं, पूरी व्यवस्था की तैयारी का है। उद्घाटन में सरकार का फीला काटा था, तीसरे दिन बस ने जनता की सुरक्षा का भरोसा काट दिया—सरकारी योजना का इससे करारा परिणाम क्या होगा?

बस पर नया रंग चढ़ जाने से व्यवस्था नई नहीं हो जाती। सुगम सेवा में कुछ पुरानी/सेकंड-हैंड बसों को रंग-रोगन कर उतारने के आरोप पर विपक्ष ने शुभारंभ के तुरंत बाद सवाल उठाए थे। हालांकि हादसे वाली बस नई पीएम ई-बस (इलेक्ट्रिक) बताई गई है। सवाल फिर भी वही है—नई बस हो या पुरानी, सुरक्षा कहाँ है? रंग ब्रेक नहीं लगाता। फिटनेस और सुरक्षा की जगह चमक दिखाना जनता की आँखों में धूल झाँकना है। सड़क पर रंग नहीं, फिटनेस चाहिए। यात्री को बस में बैठते वक्त सिर्फ इतना भरोसा चाहिए कि वह सुरक्षित घर पहुँचे, सरकारी विज्ञापन में न चमके।

सवाल बस के ब्रेक का नहीं, उस व्यवस्था का है जिसने उसे सड़क पर उतारा। फिटनेस किसने दी? प्रमाणपत्र किसने जारी किया? ब्रेक किसने जाँचे? ड्राइवर

भारत के लिए वरदान

साबित हो सकता है एआई

इतिहास गवाह है कि जब भी कोई नई तकनीक आई है, वह अपने साथ नए सपने और नया डर दोनों लाई है। जब हवाई जहाज आए तब रेलवे में खलबली मची, ईमेल से डाक सेवाओं में डर फैला, और कंप्यूटर आने पर नौकरी खोने की अफवाहें उड़ीं। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के आने पर भी लोगों में डर है कि यह मानवता के लिए खतरा बन सकता है। लेकिन सच यह है कि हर तकनीक अपने साथ समाधान और समस्याएँ दोनों लाती है।

मोबाइल ने हमें आपस में जोड़, तो गलत जानकारीयों के फैलाव का जरिया भी बना। उसी तरह एआई का इस्तेमाल भी एआई और बुराई दोनों के लिए संभव है।

एआई मानव इतिहास की पहली ऐसी तकनीक है जो खुद सोचने, समझने और एक्शन लेने की क्षमता रखती है। हाल ही में इसके गलत इस्तेमाल और हैकिंग के मामले सामने आए हैं, जिससे समाज में डर बढ़ा है। परंतु कुछ हादसों की वजह से पूरी तकनीकी क्रांति को रोकना समझदारी नहीं है।

हमें ऐसे नियम और व्यवस्थाएँ बनानी होंगी जिससे एआई का उपयोग समाज के भले के लिए हो सके। एआई बिजली की तरह है जो हर जगह मौजूद रहेगी और सभी को प्रभावित करेगी। जिस प्रकार बिजली ने दुनिया का ढांचा और काम करने का तरीका बदल दिया, वैसे ही एआई हमारी और आने वाली पीढ़ियों की जिंदगी बदल देगा। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और रोजगार की चुनौतियाँ हैं, वहाँ एआई एक वरदान साबित हो सकता है।

एक बच्चा जो स्कूल नहीं जा पाता, वह मोबाइल पर एआई से पढ़ सकता है। एक किसान अपनी फसल की उपज बढ़ा सकता है, और एक युवा नया स्टार्टअप खड़ा कर सकता है। इंडिया एआई इपैक्ट समिट में भी यही दिखाया गया कि इसके सही इस्तेमाल से हम कैसे विश्व स्तर पर सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। हालाँकि, एआई का विकास बहुत तेज है और वैश्विक स्तर पर अमेरिका व चीन की कंपनियाँ इसमें आगे हैं। एआई को नियंत्रित करने के लिए दो रास्ते हैं।

भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और रोजगार की चुनौतियाँ हैं, वहाँ एआई एक वरदान साबित हो सकता है। एक बच्चा जो स्कूल नहीं जा पाता, वह मोबाइल पर एआई से पढ़ सकता है। एक किसान अपनी फसल की उपज बढ़ा सकता है, और एक युवा नया स्टार्टअप खड़ा कर सकता है। - आयुष्य गर्ग, संस्थापक, डेल्टी स्कूल ऑफ़ एआई नयम और जागरूकता। भारत सरकार ने एआई गवर्नंस फ्रेमवर्क इलाईस जारी की है ताकि इसका नैतिक और जिम्मेदार विकास हो सके। तकनीक का इतिहास बताता है कि डायनामाइट जैसी नागरिक तकनीक का इस्तेमाल युद्धों में हुआ, जबकि परमाणु ऊर्जा जैसी सैन्य तकनीक का उपयोग किसी तरह एआई भी अपने आप में गलत नहीं है।

—**सुनील कुमार महला**

को कितना प्रशिक्षण मिला? स्वतंत्र तकनीकी जाँच हुई या कागजों ने ही बस को सड़क पर भेज दिया? योजना शुरू होते ही/उद्घाटन के तुरंत बाद विपक्ष (कांग्रेस) ने पुरानी, रंग-रोगन वाली और अनफिट बसों पर सवाल उठाए थे। उन सवालों को राजनीतिक शोर मानकर दबाया गया या तकनीकी जाँच हुई—अब यह साफ होना चाहिए। क्योंकि ब्रेक फेल होने या हादसे के बाद जाँच करना सुरक्षा व्यवस्था नहीं, हादसे का इंतजार है।

हादसा होते ही व्यवस्था का सबसे आसान हथियार निकलता है—‘जाँच’। मौत हुई तो जाँच, लापरवाही मिली तो जाँच, कार्रवाई पूछी गई तो फिर जाँच। समितियाँ इतनी बन चुकी हैं कि उन्हें पहिए लगा दें तो शायद शहर की परिवहन व्यवस्था ही चल पड़े। मगर जिस परिवार ने अपना सदस्य खोया, उसे रिपोर्ट नहीं, न्याय चाहिए। घायलों को सरकारी बयान नहीं, इलाज चाहिए। नागरिक को आश्वासन नहीं, यह भरोसा चाहिए कि अगली बस उसके घर से किसी को अस्पताल नहीं पहुँचाएगी। ‘दुर्भाग्यपूर्ण घटना’ कहना आसान है, जिम्मेदार तय करना मुश्किल। इसलिए व्यवस्था फिर वही करती है—जाँच बैठा देती है।

बस पर पथराव और तोड़फोड़ गलत है, लेकिन जनता के गुस्से का कारण भी समझना होगा। हादसे के बाद भीड़ ने कांच फोड़े और बस में तोड़फोड़ की। जब नागरिक को लगे कि उसकी जान से ज्यादा अहमियत उद्घाटन और प्रचार को है, तो गुस्सा शीशे से आगे व्यवस्था तक पहुँचता है। जनता को संयम सिखाना आसान है, सत्ता को सावधानी सिखाना कठिन। जो व्यवस्था नागरिक से ट्रैफिक नियमों का पालन कराती है, उसे पहले अपनी बस की फिटनेस का हिसाब देना

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक ‘सीरियल प्रैक्तिशनर ऑफ टेररिज्म’ ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ? पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्तों को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहाँ होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता

सदैव प्रेरित करने वाले विराट व्यक्तित्व: पीएम नरेंद्र मोदी

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, वृक्ष कबहुं नहीं फल भूखे, नदी न संचे नीर। परमाश्रय के कारने, साधुन धरा शरीर। इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता ना देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महव व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंहल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। 27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंहल जी का जन्म-शताब्दी सुभं मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का अवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया।

यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियाँ निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हाथ से लिखा एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में एक महत्वपूर्ण आगामी कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियाँ सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंहल जी से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था। मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएँ किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है।

जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंहल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर

चाहिए। एक तरफ नियम तोड़ने पर चालान, दूसरी तरफ सरकारी बस की फिटनेस संदिग्ध-यह अनुशासन नहीं, दो तराजू हैं। नियम जनता के लिए और सुरक्षा कागजों के लिए कब तक?

सरकार के लिए बस शुरू करना उपलब्धि हो सकती है, मगर उसे सुरक्षित चलाना असली परीक्षा है। यहाँ अक्सर फीता पहले कटता है, फिटनेस बाद में देखी जाती है; कैमरे पहले आते हैं, तकनीकी जाँच बाद में। प्रचार समय पर होता है, जवाबदेही हमेशा देर से। सार्वजनिक परिवहन की सफलता उद्घाटन नहीं, वह दिन है जब बस बिना हादसे रोज चले, ड्राइवर सुरक्षित लौटे और यात्री सकुशल घर पहुँचे—भले इसकी तस्वीर कहीं न छपे। मंच पर तालियाँ मिल सकती हैं, सड़क पर सुरक्षा नहीं। शासन की असली परीक्षा कैमरे के सामने नहीं, सड़क पर होती है। हर हादसे के पीछे सिर्फ एक क्षण नहीं, उससे पहले की पूरी व्यवस्था होती है। ब्रेक फेल हुआ तो सवाल सिर्फ तकनीकी खराबी का नहीं—यह भी कि उसे पहले क्यों नहीं पकड़ा गया। घायल संख्या नहीं है, राजवाड़ा की अफरातफरी मामूली घटना नहीं और टूटा काउंटर सिर्फ संपत्ति का नुकसान नहीं। पुरानी बसों का सवाल भी एक वाहन तक सीमित नहीं। असली सवाल है—योजना कैसे बनी, बसें कैसे चुनी गईं और सुरक्षा कहाँ जाँची गई? यदि लापरवाही या नियमों की अनदेखी हुई है, तो इसे ‘दुर्घटना’ कहकर फाइल बंद करना हादसे के बाद का दूसरा अन्याय होगा।

अब सरकार को भाषण नहीं, जवाब देना है। मृतक परिवार को न्याय, घायलों को पूरा इलाज और नागरिकों को साफ जानकारी चाहिए। बस को किसने पास किया, फिटनेस प्रमाणपत्र किसने दिया, संचालन की अनुमति

किसने दी और निगरानी कहाँ हुई—इन सवालों के जवाब सार्वजनिक होने चाहिए। बस सभी मानकों पर खरी थी तो ब्रेक फेल होने की वजह सामने आए; मानकों की अनदेखी हुई तो जिम्मेदारी पर कार्रवाई हो। वरना नया मंच संजोग, नया रंग चढ़ेगा और पुरानी लापरवाही फिर सड़क पर उतर आएगी।

एक बस का हादसा हुआ है, लेकिन जोखिम सिर्फ एक बस तक सीमित नहीं। इंदौर में सुगम सेवा की करीब 145 बसें (50 इंटरसिटी + 95 इंटीसिटी) और पीएम ई-बस सेवा की बसों समेत प्रदेश में प्रारंभिक चरण में 351 बसें शुरू हुई हैं। सवाल है—क्या इन सभी की फिटनेस, ब्रेक सिस्टम और चालक प्रशिक्षण की तत्काल दोबारा जाँच होगी, या अगला ‘दुर्भाग्यपूर्ण’ हादसा होने तक बसें यूँ ही चलती रहेंगी? इस मौत के बाद भी बिना ताजा तकनीकी जाँच बसें सड़क पर उतारी गईं, तो यह महज लापरवाही नहीं, जानबूझकर जोखिम उठाने वाली व्यवस्था का सवाल बनेगा।

राजवाड़ा का हादसा सिर्फ एक बस की उम्र का सवाल नहीं, व्यवस्था की सोच का आईना है। कब तक पुराने ढ़र पर नया रंग चढ़ाकर उसे नई योजना बताया जाएगा? जनता को बस की चमक दिखाई जाती है, भीतर की सुरक्षा नहीं। सड़क पर रंग नहीं, ब्रेक काम आते हैं; भाषण नहीं, तकनीकी जाँच हादसे रोकती है। उद्घाटन नहीं, जवाबदेही सुरक्षा देती है। अगर अब भी सबक नहीं लिया गया तो आगली दुर्घटना फिर ‘दुर्भाग्यपूर्ण’ कहलाएगी, समिति बैठेगी और फाइल चलेगी। हमारे यहाँ हादसा खत्म होते ही जिम्मेदारी शुरू नहीं होती, उसे खत्म करने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

—**प्रो. आरके जैन**

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चरमे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि दुनिया आज केवल बयान नहीं सुनती, बल्कि नीतियों और व्यवहार को भी देखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का मूल उद्देश्य ही बहुपक्षीय संवाद, शांति और सहयोग के लिए मंच उपलब्ध कराना है। यदि इस मंच का इस्तेमाल एक-दूसरे के विरुद्ध आरोपों को दोहराने में ही होता रहे, तो दोनों देशों के नागरिकों को उससे क्या हासिल होगा? भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी हैं। इसलिए इनके बीच तनाव केवल द्विपक्षीय समस्या नहीं रहता, उसका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर पड़ सकता है।

आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केंद्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से सम्पन्नता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की संभावनाओं को खुला रखा जाए। पाकिस्तान कब बदलेगा, इसका उत्तर कोई दूसरा देश नहीं दे सकता। परिवर्तन अंततः पाकिस्तान की अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत निर्णयों और नीति-निर्माताओं पर निर्भर करेगा। लेकिन दिशा स्पष्ट है-आतंकवाद को किसी भी रूप में राजनीतिक साधन न बनने देना, अपनी जनता की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना, कश्मीर के नाम पर लगातार टकराव के नीति से आगे बढ़ना और पड़ोसियों के साथ संबंधों को हिंसा के बजाय विश्वास तथा पारस्परिक सम्मान के आधार पर विकसित करना। यदि पाकिस्तान यह रास्ता चुनता है तो उसका लाभ केवल भारत को नहीं, स्वयं पाकिस्तान के नागरिकों और पूरे दक्षिण एशिया को मिलेगा। और यदि वह पुराने रास्ते पर ही चलता रहा, तो सबसे बड़ा प्रश्न दुनिया से अधिक उसके अपने नागरिकों के सामने खड़ा होगा-आखिर कब तक अतीत की राजनीति भविष्य की पीढ़ियों का वर्तमान तय करती रहेगी?

—**ललित गर्ग**

सदैव प्रेरित करने वाले विराट व्यक्तित्व: पीएम नरेंद्र मोदी

चरम पर लहलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वे सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते।

स्वर्गीय अशोक सिंहल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समाज के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा एवं सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले श्री कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो।

काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया। राष्ट्र-निर्माण के साथ ही अशोक सिंहल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा विशेषकर वैदिक शिक्षा और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व का अनुभूति होती है कि जहाँ मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने अशोक सिंहल जी के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बीचचू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की फल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया।

—**धनंजय राजौरा**

ऑक्सीजन वाली एम्बुलेंस के इंतजार में 5 साल के मासूम ने तोड़ा दम, दो घंटे तक गुहार लगाता रहा बेबस पिता

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के दावे कागजों में जितने मजबूत दिखते हैं, जमीनी हकीकत उतनी ही बेरहम है। शाजापुर जिला अस्पताल में सिस्टम की इसी सुस्ती और अव्यवस्था की भेंट एक 5 वर्षीय मासूम चढ़ गया। गंभीर हालत में इंदौर रेफर किए गए बच्चे को दो घंटे तक ऑक्सीजन सप्लोट वाली सरकारी एम्बुलेंस नसीब नहीं हुई। इस बीच निजी एम्बुलेंस चालक ने मजबूरी का फायदा उठाते हुए 8 हजार रुपये की मांग कर दी। सिस्टम और पैसों की इस खींचतान के बीच मासूम हार्दिक जाटव ने इलाज के अभाव में अपने पिता की आंखों के सामने ही दम तोड़ दिया। इस घटना ने एक बार फिर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और 108 एम्बुलेंस सेवा की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

दो घंटे तक भटकता रहा पिता, मौत के बाद पहुंची एम्बुलेंस- मृतक मासूम हार्दिक के पिता बंटी जाटव ने बताया कि बेटे को पेट दर्द और तेज बुखार की शिकायत के चलते रविवार रात में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक उपचार के



बाद डॉक्टरों ने बच्चे की हालत गंभीर बताते हुए उसे तत्काल इंदौर रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा था कि बच्चे को बिना ऑक्सीजन सप्लोट वाली एम्बुलेंस के नहीं ले जाया जा सकता। इस पर बंटी करीब दो घंटे तक अस्पताल परिसर में एम्बुलेंस के लिए इधर-उधर भटकता रहा और गुहार लगाता रहा, लेकिन 108 एम्बुलेंस समय पर नहीं

चुकी थीं। अस्पताल प्रशासन का तर्क गंभीर थी हालत, झाड़ू-फूंक की भी आशंका- परिजनों के गंभीर आरोपों के बीच अस्पताल प्रबंधन ने किसी भी तरह की लापरवाही से इनकार किया है। प्रबंधन का कहना है कि बच्चे को जब अस्पताल लाया गया था, तभी उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी और वह डबल निमोनिया से पीड़ित था, जिससे उसे सांस लेने में भारी तकलीफ हो रही थी। प्रबंधन ने यह भी दावा किया कि अस्पताल लाने से पहले परिजन बच्चे को झाड़ू-फूंक या किसी अन्य जगह लेकर गए थे, जिससे केस और बिगड़ गया। इस दर्दनाक घटना के बाद अस्पताल परिसर में जहां पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं स्वास्थ्य विभाग समय पर कॉल करने और गंभीर स्थिति का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचता नजर आ रहा है। बड़ा सवाल यह है कि यदि डॉक्टरों ने बच्चे को तुरंत रेफर कर दिया था, तो आपातकालीन 108 एम्बुलेंस को पहुंचने में

दो घंटे क्यों लगे? इनका कहना है-मेरे 5 साल के बेटे को डॉक्टरों ने तुरंत इंदौर ले जाने को कहा था, लेकिन बिना ऑक्सीजन वाली एम्बुलेंस में ले जाने से मना कर दिया। मैं दो घंटे तक हाथ-पैर जोड़ता रहा पर सरकारी एम्बुलेंस नहीं मिली। प्राइवेट वाले ने 8 हजार रुपये मांगे। समय पर एम्बुलेंस मिल जाती तो आज मेरा बेटा जिंदा होता। यहएम्बुलेंस सेवा की सीधी लापरवाही है।

-बंटी जाटव, मृतक मासूम के पिता।
हमारी लापरवाही नहीं है- बच्चा जब अस्पताल लाया गया था, तब उसकी स्थिति बेहद गंभीर थी। उसे डबल निमोनिया था और सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। अस्पताल लाने से पहले कहीं झाड़ू-फूंक या अन्य जगह इलाज कराने की बात भी सामने आई है। हमारे डॉक्टरों ने पूरा इलाज किया और 108 एम्बुलेंस के लिए भी तुरंत कॉल कर दिया गया था। अस्पताल की ओर से कोई लापरवाही नहीं बरती गई है।
-डॉ. बी.एस. मैना, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल शाजापुर।

शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने किया माल्यार्पण



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने देवास के गजरा गियर चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस अवसर पर डॉ. सेंधव ने शहीद भगत सिंह के साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सरदार भगत सिंह केवल इतिहास का एक नाम नहीं, बल्कि अन्याय के सामने न झुकने, सत्य के लिए संघर्ष करने और राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा हैं। उनके विचार, अदम्य साहस और देश के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान आज भी देशवासियों को राखेबा के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर भाजपा नेता दुर्गेश अग्रवाल, जिला महामंत्री विजय सिंह पंवार, पार्षद शीतल गेहलोत, नवीन सिंह सोलंकी सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिंखार ने दी।

दो सूत्रीय मांगों को लेकर मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने सौपा ज्ञापन



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पटवारी संघ द्वारा पटवारियों की दो प्रमुख समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया। सोमवार को जिलाध्यक्ष हरिओम हनोतिया के नेतृत्व में सौपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि स्वामित्व योजना में पटवारियों को निष्पादक के दायित्व से तत्काल मुक्त किया जाए। जिलाध्यक्ष ने बताया कि स्वामित्व योजना मूलतः पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार की योजना है। इसके बावजूद पटवारियों को निष्पादक का दायित्व सौपे जाने से गंभीर विधिक, तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। योजना में हितग्राहियों की पहचान, दस्तावेजों का सत्यापन एवं स्वामित्व संबंधी विवादों की जिम्मेदारी पटवारियों पर डालना उचित नहीं है। इससे भविष्य में पटवारियों को अनावश्यक कानूनी विवादों एवं विभागीय कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आवश्यक नियमों में संशोधन कर 50 वर्ष की आयु सीमा समाप्त कर तथा वरिष्ठता, पात्रता एवं निर्धारित नियमों के आधार पर सभी पात्र पटवारियों को सेवानिवृत्ति तक पदेन्नति का समान अवसर देने की मांग की। मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने दोनों मांगों का शीघ्र एवं सकारात्मक निराकरण करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि समस्या का निराकरण नहीं किया गया तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

देवास के नवाचार की देशभर में सराहना, कलेक्टर सिंह के नेतृत्व में 'देवास जॉब पोर्टल' को मिला प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड

मुख्यमंत्री ने किया था पोर्टल का शुभारंभ, रोजगार के लिए युवाओं-उद्योगों को जोड़ने की पहल है देवास जॉब पोर्टल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास में रोजगार के क्षेत्र में शुरू किए गए अभिनव नवाचार 'देवास जॉब पोर्टल' ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में इस डिजिटल पहल को प्रतिष्ठित 'स्कॉच अवार्ड- गोल्ड कैटेगरी' से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार कलेक्टर ऋगु राज सिंह के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में युवाओं को रोजगार के सुगम अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मिली बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 14 अक्टूबर 2025 को देवास जिले के बागली विकासखंड में 'देवास जॉब पोर्टल' का विधिवत शुभारंभ किया



गया था। इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं और उद्योगों को एक पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी डिजिटल मंच पर जोड़ते हुए रोजगार के अवसरों को सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचाना

है।देवास जॉब पोर्टल युवाओं और स्थानीय औद्योगिक इकाइयों के बीच सेतु का कार्य कर रहा है। सितंबर 2026 तक पोर्टल पर 12,600 से अधिक युवाओं ने पंजीयन कराया है। पोर्टल पर 258 उद्योगों और संस्थानों ने भागीदारी करते हुए 4600 रोजगार के अवसर सृजित किए, इनमें से 1,000 से अधिक स्थानीय अभ्यर्थियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ। स्थानीय प्रशासन, उद्योग और युवाओं के बीच सशक्त डिजिटल संपर्क स्थापित करने वाला यह मॉडल रोजगार की खोज और उपलब्धता के बीच के अंतर को समाप्त करने में एक प्रभावी और अनुकरणीय मॉडल साबित हुआ है।

एशियन गेम्स में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाले देवास के जय मीणा से कलेक्टर सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री गेहलोद ने की भेंट

भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम के कोच एवं विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते को भी प्रेषित की शुभकामनाएं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋगुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने आई-ची-नागोया, जापान में आयोजित 20वें एशियन गेम्स- 2026 में भारत को सॉफ्ट टेनिस में ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाने वाले देवास के खिलाड़ी जय मीणा एवं भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम के कोच तथा विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते से भेंट की। कलेक्टर ऋगु राज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने जय मीणा एवं श्री सुदेश सांगते को एशियन गेम्स में भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



कलेक्टर श्री ऋगुराज सिंह ने कहा कि खिलाड़ी जय मीणा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से देवास का नाम देश एवं अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर गौरवान्वित हुआ है।

उनकी सफलता जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। वहीं भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम के कोच के रूप में सुदेश सांगते का योगदान भी देवास के लिए गौरव का विषय है। एशियन गेम्स-2026 में सॉफ्ट टेनिस में भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाकर जय मीणा ने देवास सहित पूरे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण से युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर सफलता हासिल कर सकते हैं। इस अवसर पर कलेक्टर सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री गेहलोद ने जय मीणा एवं सुदेश सांगते को पुनः शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां जिले के अन्य खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

कमीशन 200 रुपये प्रति किंवंटल करने और 40 हजार रुपये मासिक न्यूनतम आय तय करने की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राशन विक्रेता संघ संयुक्त मंच के तत्वावधान में जिले के शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। सोमवार को सौपे गए ज्ञापन के माध्यम से राशन दुकानों के विक्रेताओं ने अपनी वषों से लंबित 5 सूत्रीय मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की। संघ ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में बढ़ती महंगाई और अत्यंत कम कमीशन के कारण राशन विक्रेताओं के समक्ष परिवार का भरण-पोषण करने और दुकान का सुचारू संचालन करने में गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। अन्य राज्यों केरल में 270

रुपये, बिहार में 258 रुपये, हरियाणा व दिल्ली में 200 रुपये, उत्तराखंड में 195 रुपये, महाराष्ट्र में 170 रुपये, राजस्थान में 150 रुपये और उत्तरप्रदेश में 125 रुपये प्रति किंटल कमीशन दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त पीओएस मशीन से वितरण करने पर केंद्र द्वारा 21 रुपये प्रति किंटल अतिरिक्त राशि



भी दी जाती है, जबकि मध्यप्रदेश में अन्य राज्यों की अपेक्षा कमीशन कम है। विक्रेताओं ने शासन से मांग की है कि खाद्यान्न का कमीशन बढ़ाकर न्यूनतम 200 रुपये प्रति किंटल किया जाए और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के विक्रेताओं की आर्थिक सुखा के लिए न्यूनतम आय 40,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित की जाए। साथ ही परिवहन और तैल के दौरान होने वाले खाद्यान्न के नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए प्रति किंटल 1 किलोग्राम की छूट देने, मासिक कमीशन का भुगतान अनिवार्य रूप से प्रतिमाह की 5 तारीख तक करने तथा सेवा सहकारी एवं वन समितियों को

उत्साह के साथ सहभागिता की। प्रतियोगिता संयोजक डॉ. श्वेता चौहान ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम चरण में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने चित्रकला और भाषण

समय पर कमीशन भुगतान करने के कड़े निर्देश जारी करने का मार्ग शामिल है। मांगें पूरी नहीं होने पर 7 दिवसीय आंदोलन - स्व-सहायता समूह, सेवा सहकारी समिति, उपभोक्ता भंडार और वनोपज समिति सहित राशन दुकानों से जुड़े समस्त संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि समय-सीमा में मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो 1 अक्टूबर 2026 से पूरे प्रदेश के राशन विक्रेता 7 दिवसीय आंदोलन एवं हड़ताल करने के लिए विवश हो जाएंगे। ज्ञापन की प्रति जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय में भी दी गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में शासकीय राशन दुकान संचालक मौजूद थे।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी वनमण्डल उज्जैन
उदयन मार्ग दमदमा उज्जैन (म.प्र.) 456010
कार्यालय (0734-2512104) ईमेल: dfotujjain@mp.gov.in
जाहिर सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती बंसतीबाई पति स्व. मांगीलाल, गौतम मार्ग, उज्जैन का स्वर्गवास दिनांक 07-07-2023 को हो गया है, जिनके नाम से वन विभाग में आरामशीन अनुज्ञप्ति क्रमांक 17/1984 नवीनीकरण क्र. 05/2021 दर्ज है। श्रीमती बंसतीबाई पति स्व. मांगीलाल के बड़े पुत्र दिनेशचन्द्र पिता मांगीलाल शर्मा द्वारा उक्त आरामशीन को स्वयं के नाम से नामांतरण हेतु परिवार के अन्य सदस्यों के अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसके आधार पर आरामशीन नामांतरण संबंधी जाहिर सूचना जारी की जाती है। इस संबंध में किसी को दावा/आपत्ति हो तो 15 दिवस में लिखित रूप में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। बाद में किसी भी प्रकार का दावा/अपील मान्य नहीं होगी। समाचार पत्र में जाहिर सूचना प्रकाशन का व्यय आवेदक द्वारा वहन किया जावेगा।
वनमण्डलाधिकारी वनमण्डल उज्जैन

बदनावर क्षेत्र में ट्रांसफार्मर बंद होने से किसान परेशान, शिवरामसिंह रघुवंशी ने धार MPEB डीई से की त्वरित समाधान की मांग

रबी बोवनी से ठीक पहले बिजली कंपनी की सुस्ती पड़ी भारी ; 24 से 48 घंटे में बंद डीपी बदलने और अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्वीकृत करने की मांग

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में इस वर्ष औसत से कम बारिश और समय से पहले मौसम पूरी तरह साफ हो जाने के कारण किसान खी फसलों गेहूँ, चना, लहसुन, प्याज आदि की बोवनी की तैयारियों में जुट गए हैं। बोवनी से पूर्व खेतों में सिंचाई के लिए पानी की सख्त आवश्यकता है, लेकिन बदनावर तहसील के अनेक ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से जले व बंद पड़े ट्रांसफार्मरों की वजह से किसानों के सामने सिंचाई का संकट गहरा गया है। समय पर बिजली और

पानी न मिलने से कृषि कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय किसानों का कहना है कि इस बार मानसून की बेरुखी की वजह से जमीन में नमी कम है। ऐसे में किसान कुओं और नलकूपों के पानी का उपयोग कर जल्द से जल्द पलेवा कर बोवनी निपटाना चाहते हैं। लेकिन विद्युत कंपनी की लापरवाही के कारण कई ग्रामीण फीडों पर हफ्तों से ट्रांसफार्मर ठप पड़े हैं। कहीं ट्रांसफार्मर जल चुके हैं तो कहीं लो-वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग के कारण

सिंचाई के मोटर-पंप नहीं चल पा रहे हैं। समय पर ट्रांसफार्मर न बदले जाने से बोवनी में देरी हो रही है, जिससे फसलों की पैदावार और किसान की लागत दोनों पर विपरीत असर पड़ने की आशंका है। किसानों की इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए वरिष्ठ नेता शिवरामसिंह रघुवंशी ने मध्य प्रदेश पूर्व/पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी धार के कार्यपालन यंत्री से दूरभाष पर विस्तृत चर्चा की। रघुवंशी ने बदनावर क्षेत्र की जमीनी स्थिति से अवगत कराते हुए कहा

कि कृषि कार्य पूरी तरह मौसम और सटीक समय सीमा पर निर्भर करता है। यदि सही खद, बीज और पूरे सीजन की मेहनत बेकार हो जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वच्छाक्र की विभागीय कागजी औपचारिकताओं और सुस्ती का खामियाजा किसानों को भुगतने नहीं दिया जाएगा। प्रभावित गांवों और मजरे-टोलों में जले हुए ट्रांसफार्मरों को विभागीय औपचारिकताओं से परे हटकर प्राथमिकता के आधार पर 24 से 48 घंटे के भीतर

बदला जाए।बदनावर सब-स्टेशन व नजदीकी डिपो में पर्याप्त संख्या में स्पेयर ट्रांसफार्मर रखे जाएं ताकि मांग आते ही तुरंत आपूर्ति हो सके। जिन स्थानों पर बार-बार ओवरलोड के कारण डीपी जल रही है, वहां तुरंत अधिक क्षमता (केवीए) के नए ट्रांसफार्मर मंजूर किए जाएं। लाइन पॉल्ट, केबल कटने या प्यूज उड़ने की शिकायतों के निराकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में पेट्रोलिंग और सुधार दल की गश्त बढ़ाई जाए। शिवरामसिंह रघुवंशी ने

अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसान पहले ही अनिश्चित मौसम और कम बारिश की मार झेल रहा है, ऐसे में विद्युत कंपनी की हीला-हवाली बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि स्वच्छाक्र प्रशासन ने दो दिनों के भीतर प्रभावित क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं की, तो किसानों को साथ लेकर विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव कर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विभाग की होगी।

प्रदेश के दिवंगत शिक्षकों के परिवार का सहारा बनी कर्मचारी कल्याण कोष योजना

पिछले 10 महीने में 25 दिवंगत शिक्षकों के परिवार को 7 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में पीएमयूपएम शिक्षक संघ द्वारा संचालित कर्मचारी कल्याण कोष योजना शिक्षकों की एक जुटता और संवेदनशीलता की सशक्त मिसाल बनकर उभरी है। इस योजना के माध्यम से पिछले 10 महीना में प्रदेश के 25 दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को लगभग 7 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। संघ के बदनावर ब्लॉक अध्यक्ष हेमेंद्रनंदनसिंह शक्तावत एवं धार जिला उपाध्यक्ष ईश्वरलाल धाकड़ ने बताया कि यह उपलब्धि शिक्षकों के स्वेच्छिक सहयोग,संगठन की मजबूती और सामाजिक संवेदनशीलता का परिणाम है। धार जिला प्रभारी सुनील वर्मा जिला संगठन मंत्री चैन्नसिंह वास्केल एवं बदनावर ब्लॉक प्रभारी डी.एस.धारवीया व ब्लॉक आईटी सेल प्रभारी अनिल व्यास ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के परिवारों को त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। जिससे की असमय मुश्किल को खोने के बाद भी परिवार को कोई आर्थिक संकट न झेलना पड़े और बच्चों की पढ़ाई और घर के अन्य कार्य प्रभावित



नहीं हो। इसी माह सितंबर 2026 में पांच परिवारों को लगभग 01 करोड़ 23 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग पीएमयूपएम के रजिस्टर्ड सदस्यों द्वारा किया गया। जिसमें बदनावर से स्वर्गीय राधेश जोशी,नीमच से स्वर्गीय शंभूलाल रेगर,मंडला से स्वर्गीय बलराम मरावी,रिवनी से स्वर्गीय नंदकिशोर बिसेन एवं दमोह से स्वर्गीय देवका ठाकुर शामिल है। भैंसोला संकुल प्रभारी अखिलेश मेहता ने बताया कि पूरे मध्यप्रदेश में पीएमयूपएम शिक्षक संघ में लगभग 1 लाख 27 हजार से अधिक सदस्य जुड़ चुके हैं। जो हर पल हर घड़ी दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं। संघ के संस्थापक सतीश खरे,प्रांत अध्यक्ष मुरली मनोहर अरजनिया,प्रांत संयोजक पवन खरे,सह-स्थापक बृजेश असाठी,प्रदेश आईटी सेल प्रभारी राजेश गुप्ता,प्रदेश संगठन मंत्री विनोद राठौड़ एवं इंदौर संभाग आईटी सेल प्रभारी राहुल पाटीदार के मार्गदर्शन में योजना निरंतर विस्तार पा रही है। इस योजना को सफल बनाने में प्रदेश स्तर से लेकर संकुल स्तर के समस्त पदाधिकारी का विशेष सहयोग रहा है।

सेवा संकल्प अभियान आंगन मिलन सेवा आंगनवाड़ी केंद्र 20,21 खाचरौद में



सेवा कार्यक्रम का आयोजन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंजू जूनवाल रेगु पटेल रेखा राठौर द्वारा किया गया,जिसमें गर्भवती महिला,धार्त्री माता एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों की माताओं को आमंत्रित किया गया मातृ स्वास्थ्य गर्भावस्था एवं प्रसव देखभाल पर परामर्श संतुलित आहार में विविधता,एनीमिया आयर्न फोलिक एसिड की दवाइयों पर संवाद किया गया बच्चों एवं माताओं को खेल आनंद में खेल गतिविधि कराई गई अंत में फल एवं मिठाई वितरित कर माता का आभार व्यक्त किया गया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त ज़िलाध्यक्ष का क्षेत्र में प्रथम आगमन हुआ



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त ज़िलाध्यक्ष हरजीत सिंह चौहान (कड़ोदिया) का कल बड़नगर विधानसभा क्षेत्र में प्रथम आगमन हुआ, इस अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर स्वागत एवं अभिनंदन लोकप्रिय विधायक श्री जितेंद्रसिंह पंड्या की उपस्थिति में भाजयुमो नेता हर्षित पण्ड्या द्वारा

स्थानीय कोर्ट चौराहा पर साथी कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत कर उन्हें आगामी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। शहर में विभिन्न स्थानों पर स्वागत के पश्चात निजी गार्डन में आयोजित समारोह में अपने भाषण में आपने विकसित भारत के लक्ष्य को पूर्ण करने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। आगामी चुनाव में युवाओं के नेतृत्व में जिले की सभी विधानसभा में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का काम करेंगे। इस अवसर पर मोर्चा नगर अध्यक्ष अंकित पाटोदी, भाजपा नगर महामंत्री अंकित त्रिवेदी, नगर उपाध्यक्ष अंकित दवे, अज्ञा मोर्चा प्रदेश महामंत्री गणपत लाल डबो, अजय पंड्या सजग, लगन गहलोत, गौरव बैरागी, अभिजीत पण्ड्या, शिवम् राजे, आदर्श शर्मा, सुजल पण्ड्या, सक्ती पंगवार, अजय शर्मा, बंटी पण्ड्या, लोकेन्द्र शर्मा, दीपक पण्ड्या, युग बाली, अयुष पण्ड्या, संदीप पाठक, प्रणव राठौड़, दक्ष पण्ड्या, घनश्याम पण्ड्या, आदि उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 6 और वार्ड क्रमांक 7 में आंगन का मिलन कार्यक्रम आयोजित

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रथममंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए गए सेवा संकल्प अभियान के तहत आज दिनांक 28 सितंबर को वार्ड क्रमांक 13 वार्ड क्रमांक 6 और वार्ड क्रमांक 7 में आंगन का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत हितग्राही महिलाओं का सम्मान कार्यक्रमों का सम्मान एवं अतिथियों का सम्मान किया गया हितग्राही महिलाओं भारतीय



जनता पार्टी की योजना का जो लाभ मिला उनके बारे में सभी को जानकारी दी इस अवसर पर जिला महामंत्री सीमा रावल, नगर परिषद अध्यक्ष एवं आंगन के मिलन की जिला संयोजिका श्रीमती मीना शेखर यादव, जिला कोषाध्यक्ष ललित जी चौहान ,आई टी सह प्रभारी निमिषा जी आर्य ,नगर

मंडल अध्यक्ष मनीष जी गुर्जर, वार्ड की पार्षद बबोता जी नांगल , पूर्व पार्षद पंकज जी ठाकूर, पार्षद झनू बाई सरिखी,अतिथि साधना जी शर्मा चेतन जी नागल, वार्ड क्रमांक 7 में कार्यकर्ता वंदना रावल 6 में कार्यकर्ता ज्योति जोशी एवं 13 में भावना व्यास एवं सहायिका वंदना उपस्थिति रही वार्ड नंबर 6 में कार्यकर्ता एवं अतिथि माधवी कुंवर सोलंकी एवं वार्ड पार्षद भागवता बाई राव हितग्राही महिलाओं के साथ उपस्थिति रही इस अवसर पर आंगनवाड़ी क्रमांक 7 पर वृक्षारोपण भी किया गया मातृ वंदन योजना की लाभार्थी एवं लाडली बहन की लाभार्थी एवं बहनों ने प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र जी मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

दीनदयाल संगोष्ठी में विद्यार्थियों के मध्य रखा पंडित जी का जीवन दर्शन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो मानववाद व एकात्मवाद का सूत्र दिया था, उसी आधार पर केंद्र पर प्रवेश की सरकार तो चल ही रही है। और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग के कल्याण का कार्य हो रहा है।



उपाध्याय जैसे महापुरुषों का जीवन प्रेरणादायक होता है। अतः समाज के लिए निरंतर कुछ ना कुछ करते रहे। युवा भाजपा नेता आशुतोष शर्मा ने बतौर अतिथि कहा पंडित जी का पुरा जीवन आदर्शों से भरा हुआ है। अगर हम उनके बताए मार्ग पर अपने जीवन को पचास प्रतिशत भी अमल में लाए तो बहुत बड़ी बात है। कृषि विशेषज्ञ सुश्री सपना यादव ने कहा की अभी पितृपक्ष चल रहा है। हम अपने पूर्वजों को याद कर रहे हैं। परन्तु तीन पीढ़ी पहले के पूर्वज का नाम नहीं पता है। पंडित जी जैसे

व्यक्तित्व को समाज निरंतर याद रख रहा है। जीवन में कर्म ऐसा करो की लोग अपने को भी कोई याद रखें। नवांकुर संस्था के पीयूष आचार्य ने कहा की ज्ञानवान व्यक्ति समाज को सकारात्मक दिशा में कुछ ना कुछ देकर जाता है। पंडित दीनदयालजी ने लेखन किया है, वह पढ़ना चाहिए। इससे अपने को भी जीवन में उन्नति प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान श्री डोडिया व श्री जीवन शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मेंटर दिनेश पाठक ने किया आभार विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय ने माना। कार्यक्रम में मेंटर जीवन शर्मा, अर्जुनसिंह डोडिया, मनोहर प्रजापत, वीरेन्द्र पंड्या, मुकेश शर्मा, फुलदास बैरागी व अन्य उपस्थित रहे।

आंगन मिलन कार्यक्रम अंतर्गत पोषण संवाद का हुआ आयोजन खाचरोद में

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में परियोजना खाचरोद-1 के सेक्टर बड़गांव स्थित संदला आंगनवाड़ी केंद्र पर पोषण संवाद एवं मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी एवं परियोजना अधिकारी मुकेश जाट के नेतृत्व में संपन्न हुआ



इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सोना सिसोदिया एवं चंदा राठौर तथा सहायिका सीताबाई पाटीदार एवं भारती सोलंकी द्वारा

पोषण प्रदर्शनी लगाई गई प्रदर्शनी के माध्यम से उपस्थित ग्रामीणों एवं महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व को जानकारी दी गई पर्यवेक्षक सुनीता साहनी एवं मिशन नीव जिला समन्वयक लोकेन्द्र तंवर ने उपस्थित ग्रामीणों को आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के उद्देश्य तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी साथ ही ग्रामीणों को बच्चों एवं माताओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषणयुक्त आहार

महिदपुर की बेटी सौम्या उथरा ने जीता जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय माधव नगर उज्जैन में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता में महिदपुर विकासखंड के सेंट जोसेफ स्कूल की होनहार प्रखर वक्ता सौम्या जितेश उथरा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। सौम्या के पिता जितेश उथरा भी राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में उज्जैन जिले व मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं प्रतियोगिता में उज्जैन जिले के सभी विकासखंड के प्रतियोगियों ने भाग लिया। सौम्या उथरा ने अपनी ओजस्वी, दमदार व बुलंद



पारेकाटिल,प्रिंसिपल सोबी सर,वाइस प्रिंसिपल अनिस शॉमस सर और सुभाष जी त्रिवेदी सहित अन्य स्टाफ परिजनो ने हर्ष व्यक्त किया और सभी ने सौम्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। किशोर जी परमार के नेतृत्व में महिदपुर के अन्य बच्चो ने भी चित्रकला और भाषण में अन्य स्थानों पर सफलता प्राप्त की।



अपनाने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्राचार्य प्रकाश नागर ने मुख्यमंत्री संदेश का वाचन किया वहीं गांव के पंच मोतीलाल पाटीदार एवं युवा मोर्चा के महामंत्री राजकिरण सिसोदिया ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी कार्यक्रम के अंत में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका को सम्मानित किया गया वहीं उपस्थित अतिथियों,ग्रामीणों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पौधरोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

जूना गुजराती दर्जी समाज की वार्षिक बैठक संपन्न



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री दामोदरवंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज, बदनावर की वार्षिक साधारण सभा की बैठक श्री नागेश्वर धाम पर निवर्तमान अध्यक्ष अजय परमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समाज विकास एवं आगामी धार्मिक आयोजनों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी शरदोत्सव के पावन अवसर पर पूज्य गुरु श्री टेकचंद जी महाराज का समाधि महोत्सव पूरे हौसलास व भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। बैठक के अगले चरण में समाज के सुचारु संचालन हेतु सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया, जिसमें दीपक परमार को अध्यक्ष चुना गया। साथ ही नवीन कार्यकारिणी की घोषणा हुई जिसमे अध्यक्ष दीपक परमार, उपाध्यक्ष दीपक सोलंकी (श्याम क्लॉथ स्टोर्स) एवं दीपक सोलंकी (बखतगढ़ वाले), सचिव आशीष सोलंकी (गजेंद्र टेंट), कोषाध्यक्ष सचिन पंवार, सहसचिव सुदीप निंबोला, प्रेस प्रवक्ता प्रदीप पंवार बनाए गए। बैठक में समाज के वरिष्ठ व युवाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ श्री बालकृष्ण सोलंकी, दिनेश मेहता, प्रदीप पंवार, डॉ. कमलेश गोयल, कैलाश पंवार, दिलीप मेहता, जितेंद्र सोलंकी, दिलीप गोबेला, मुकेश परमार सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। बैठक के अंत में उपस्थित समाजजनों ने नव-मनोनीत कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का माल्यापण कर अभिनंदन किया और सामाजिक उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

भाषा हमारी अस्मिता और अस्तित्व का अभिन्न अंग है : डॉ. राकेश ढंड

कालिदास कन्या महाविद्यालय में हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत विशिष्ट व्याख्यान आयोजित

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं भारतीय भाषा मंच के संयुक्त तत्त्वावधान में ‘भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी = चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ’ विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। हिन्दी भाषा के प्रोत्साहन एवं उसके व्यापक प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़े के दौरान विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन का आह्वान किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में सम्प्रति विक्रमार्दित्य विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के आत्मनिर्भर भारत प्रकल्प के राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. राकेश ढंड उपस्थित रहे।

अपने विशिष्ट व्याख्यान में डॉ. ढंड ने भाषा

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना ने ग़ोतम गामड़ के सपने को दिए प्रहिए

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत कहानी बदलाव की में झाबुआ निवासी श्री ग़ोतम गामड़ की स्वरोजगार की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि शासन की योजनाओं का लाभ और सही मार्गदर्शन मिलने पर व्यक्ति अपने अनुभव और कौशल को आजीविका के स्थायी साधन में बदल सकता है। कभी स्वयं वाहन चालक के रूप में रोजगार करने वाले श्री गामड़ आज अपनी जीप-टैक्सी के मालिक हैं और प्रतिमाह लगभग 45 हजार रुपये की आय अर्जित करने के साथ एक अन्य व्यक्ति को भी चालक के रूप में रोजगार दे रहे हैं।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के गेट के सामने, झाबुआ निवासी श्री ग़ोतम गामड़ छातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद परिवार के साथ परम्परागत कृषि कार्य से जुड़े थे। इसके साथ ही उन्होंने वाहन चालक के रूप में भी कार्य किया। वाहन चलाने का अनुभव होने के कारण उनके मन में स्वयं की जीप-टैक्सी खरीदकर स्वरोजगार स्थापित करने की इच्छा थी, लेकिन वाहन खरीदने के लिए आवश्यक पूंजी की व्यवस्था उनके लिए बड़ी चुनौती थी। इसी दौरान श्री गामड़ को मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना की जानकारी मिली। उन्होंने जिला स्तर पर मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम, झाबुआ से संपर्क किया। यहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उन्हें योजना, पात्रता एवं त्रुष्टा प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित



विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। अधिकांश निर्देशित कार्य पूर्ण पाए जाने पर कलेक्टर डॉ. भरसट ने संबंधित विभागों के कार्य की प्रशंसा करते हुए शेष कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पिटोल में फुट ओवर ब्रिज निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश-कलेक्टर डॉ. भरसट ने कन्या शिक्षा परिसर पिटोल की छात्राओं के सुरक्षित आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए फुट ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने हेतु भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देशित किया। साथ ही 8-लेन एक्सप्रेस-वे पर आवश्यकता वाले स्थानों पर फुट ओवर ब्रिज की संभावनाओं का सर्वे कर उपयुक्त स्थान चिह्नकित करने के निर्देश एसडीएम थांदला को दिए।

झाबुआ नगर में बढ़ाए जाएंगे पार्किंग स्थल- झाबुआ नगर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाने के लिए कलेक्टर ने नवीन पार्किंग स्थलों के चिह्नकन के निर्देश दिए। उन्होंने अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों के कारण यातायात बाधित होने की स्थिति में कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए टोडिंग वाहन की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में अवगत कराया गया कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु में गत वर्ष की तुलना में 1.50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। कलेक्टर ने दुर्घटनाओं में और कमी लाने के लिए यातायात नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने, चालानी कार्रवाई बढ़ाने तथा दोषहिया वाहन चालकों को हेलमेट के उपयोग के प्रति निरंतर जागरूक करने के निर्देश दिए।

ऑपरेशन मर्यादा के तहत 700 से अधिक कार्रवाई- बैठक में झाबुआ पुलिस द्वारा संचालित ऑपरेशन मर्यादा की भी समीक्षा की गई। पुलिस द्वारा बाइकर्स एवं अन्य स्टंट करने वालों के विरुद्ध अभियान के तहत 700 से अधिक कार्रवाई किए जाने की जानकारी दी गई।



के स्वरूप, उसकी सांस्कृतिक भूमिका तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में उसके महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भाषा हमारी अस्मिता और अस्तित्व का अभिन्न अंग है। उन्होंने हिन्दी को भारत की व्यापक सम्पर्क भाषा बताते हुए उसकी उपयोगिता और व्यापकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाषा केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं, बल्कि वह हमारी संस्कृति, परम्परा, विचार और राष्ट्रीय चेतना को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे ले जाने का सशक्त माध्यम है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समाधान आयोजित, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की हुई समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की प्रकरणवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से निराकरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई।

समीक्षा के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत हितग्राहियों को योजना की किस्त प्राप्त नहीं होने तथा प्रकरण स्लूह स्तर पर लंबित होने संबंधी शिकायतों की समीक्षा की गई।

राजस्व विभाग के अंतर्गत प्राकृतिक प्रकोप राहत (ऋध्र 6-4) के प्रकरणों तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त से संबंधित शिकायत की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के तथ्यों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की पात्रता

डॉ. ढंड ने मैकाले की शिक्षा पद्धति के प्रभावों की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को अपनी जड़ें, ज्ञान-परम्परा और राष्ट्र से जोड़ना भी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को भारतीय ज्ञान परम्परा, राष्ट्रप्रेम, विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा के अवसरों से जोड़ते हुए छात्राओं को नई शिक्षा व्यवस्था की

सम्भावनाओं को समझने का आह्वान किया।

उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे हिन्दी को केवल बोलचाल की भाषा तक सीमित न रखें, बल्कि अध्ययन, लेखन, शोध और दैनिक व्यवहार में भी उसका अधिकाधिक प्रयोग करें। उन्होंने अपने हस्ताक्षर हिन्दी में करने तथा ‘ईडिया’ के स्थान पर ‘भारत’ शब्द का प्रयोग करने की शपथ भी दिलाई।

अध्यक्षीय उद्घोषण में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि हिन्दी हमारे भावों की सहज अभिव्यक्ति की भाषा होने के

पक्षों में सदस्य का नाम नहीं जुड़ने, जनजातीय कार्य विभाग की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री आवास योजना एवं नल-जल व्यवस्था से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में केवल औपचारिक उत्तर दर्ज करने के बजाय शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि किसी भी योजना अथवा प्रकरण में गलत बैंक खाता क्रमांक दर्ज होने के कारण हितग्राही की राशि किसी अन्य व्यक्ति के खाते में भुगतान होने संबंधी शिकायतों की सघन जांच की जाए। जांच में यदि किसी कर्मचारी अथवा व्यक्ति द्वारा जानबूझकर गलत खाता क्रमांक दर्ज करना पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।



आंदोलन के प्रमुख युवा चेहरों में शामिल रहे। 8 अप्रैल 1929 को उन्होंने बटुकेश्वर दत्त के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंकने की घटना के बाद गिरफ्तारी दी और अपने विचारों को देशभर तक पहुंचाया। 23 मार्च 1931 को राजगुरु और सुखदेव के साथ उन्हें फांसी

दी गई। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश पटेल ने कहा कि आज के युवाओं को शहीद भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके साहस, देशप्रेम, अध्ययनशीलता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को हमें याद रखना चाहिए। युवाओं को अपने देश और समाज के प्रति सकरात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। राजेश पटेल ने कहा कि नेपालगंर में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने के संबंध

बदनावर की पावन माटी के प्रथम महामंडलेश्वर का स्वागत, 4 को बैजनाथ मंदिर से निकलेगी शोभायात्रा

डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, पारंपरिक ढोल-ताशों और 10 किंटल फूलों से होगा महामंडलेश्वर संतश्री का स्वागत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निरंजनी अखाड़े के नव-नियुक्त महामंडलेश्वर परम पूज्य संत श्री सत्यश्रेयानंद गिरि जी महाराज के प्रथम नगर आगमन को लेकर पूरे बदनावर क्षेत्र में अपार उत्साह और भक्ति का वातावरण है। पूज्य संतश्री की जन्मस्थली बदनावर होने के कारण नगरवासियों और भक्त मंडल में एक विशेष उमंग और आत्मिक जुड़ाव देखा जा रहा है। यह संपूर्ण क्षेत्र के लिए अत्यंत गौरवशाली क्षण है कि बदनावर की पावन माटी से निकले किसी संत को पहली बार महामंडलेश्वर जैसी सनातन धर्म की सर्वोच्च व गरिमायुषी पदवी से विभूषित किया गया है।

महाराजश्री के स्वागत एवं दो दिवसीय प्रवास कार्यक्रम को अलंकार व भव्य रूप देने के उद्देश्य से रविवार को राजपूत धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनोज सोमानी, महेंद्र सिंह पिपलीपाड़ा, राजेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, मातृशक्ति एवं गणमान्य नागरिकों ने आयोजन को भव्यता प्रदान करने हेतु अपने-अपने विचार रखे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 4 तारीख को बैजनाथ महादेव मंदिर से एक ऐतिहासिक व विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रहेगी कि शोभायात्रा में डीजे का उपयोग पूरी तरह से वर्जित रहेगा; केवल पारंपरिक ढोल, ताशों और अनुशासित बैंड-बाजों का ही उपयोग किया जाएगा। पूरे शोभायात्रा मार्ग पर जगह-जगह आकर्षक रोलिंगरॉय सजाई जाएंगी तथा घरों व चौराहों से आरती उतारकर व पुष्पवर्षा कर संतश्री



का अगवानी अभिनंदन किया जाएगा। स्वागत के लिए लगभग 10 किंटल से अधिक फूलों की विशेष व्यवस्था की गई है। वक्ताओं ने नागरिकों से अपील की कि यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें तथा मुख्य मंच पर ही शॉल, श्रीफल व अभिनंदन पत्र भेंट कर नागरिक अभिनंदन करें। इसके पश्चात विशाल महाराजसादी का आयोजन होगा।

वक्ताओं ने कहा कि मात्र 30 वर्ष की अल्पायु में महामंडलेश्वर की पदवी प्राप्त कर महाराजश्री ने बदनावर का नाम संपूर्ण देश में गौरवान्वित किया है। बैठक का कुशल संचालन लक्ष्मदीप बैरागी एवं योगेश पाटीदार ने किया। अंत में सभी उपस्थितजनों ने तन, मन और धन से सहयोग कर इस धार्मिक उत्सव को अकल्पनीय और

में नगर पालिका परिषद नेपालगंर से प्रस्ताव लिया जा चुका है, लेकिन आज दिनांक तक प्रतिमा स्थापित नहीं हो सकी है। उन्होंने नगर पालिका परिषद एवं संबंधित जिम्मेदारों से पुनः मांग की कि शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया को जल्द आगे बढ़ाया जाए तथा इस विषय में आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिम्मेदारों का ध्यान पुनः आकर्षित कराया जाएगा।

कार्यक्रम में विजय बावें, प्रकाश नकुल, हेमंत पाटिल,दीपक बावें, मोहित गाढ़े, तनिषा राठौर, भावेश पाटिल, रितेश चौहान, काव्यांशु राठौर, आरोही पटेल, विशाल पटेल, अरुनी पटेल, ध्यानी नकुल, दिया नकुल, चिरंजीव पटेल, सोनम पटेल, शिवाय पटेल एवं रिया भंवरे सहित अन्य उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु कई दायित्व दिए गए जिसमें संरक्ष मण्डल - राजवधन सिंह दत्तीगांव, राजेश अग्रवाल, महेंद्र सिंह पिपलीपाड़ा चाचू बना, मनोज सोमानी, लाखन सिंह जादेन, प्रहलाद सिंह सोलंकी, शेखर यादव, श्रीमती सुषमा पाठक, कन्हैयालाल गुर्जर, मनीष भैया (दुर्गा धाम), शिवराम सिंह रघुवंशी, मनीष गुर्जर, कार्यक्रम संयोजक - पं. मनीष शर्मा, कोषाध्यक्ष - प्रेमचंद परमार, मितेश शर्मा, सह कोषाध्यक्ष - जितेंद्र शर्मा, मीडिया प्रमुख - धर्मन्द्र अग्नीहोत्री, मनोज सोलंकी, पुरु/शेठ शर्मा, मनीष शर्मा, शोभा यात्रा एवं नगर सज्जा व्यवस्था - संस्था हिन्द रक्षक, वर्चस्व द साल ऑफ़ यूथ, टीम सर्वज्ञ, गणेश व्यायामशाला

मंच व्यवस्था - दुर्गा मित्र मण्डल, महाकाल मण्डल, संचालन समीति - योगेश पाटीदार मुलथान, बैठक व्यवस्था - रवि पाटीदार, अंकुश पाटीदार, भावेश पाटीदार आगमन व्यवस्था - पं. विजय अवस्थी, लड्डू सेठ, योगेश मुकाली, जितेंद्र शर्मा, भोजन व्यवस्था - शैलेन्द्र रावल, लोकेश खंडेलवाल, राजेंद्र सिंह पंवार फुंदा बापू, संतोष बाहेली, कालू गुप्ता, पंकज शर्मा, उमेश टेलर, मनीष गुर्जर, संतोष राव, पंकज ठाकुर, प्रचार प्रसार - ईश्वरलाल जोशी, प्रवीण शर्मा, सुमित पंवार, कपिल गोयल, गणेश वंदना - श्रीमती सीमा शर्मा, श्रीमती जयश्री भट्ट, पत्रक वितरण - श्रीमती माधवी सोलंकी, श्रीमती राजश्री जाट, श्रीमती माया परमार, राधे मंडल को दायित्व सौंपा गया।

सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के 98 विद्यार्थियों ने जाना गरमेट उद्योग का हुनर, झील कंपनी का किया शैक्षणिक भ्रमण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।

किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक एवं औद्योगिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बदनावर के व्यावसायिक शिक्षा के 98 छात्र-छात्राओं का एक दल शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना हुआ। विद्यार्थियों को प्रसिद्ध फैशन वियर निर्माणकर्ता झील कंपनी का अवलोकन कराया गया, जहाँ उन्होंने आधुनिक वस्त्र उद्योग की कार्यप्रणाली को करीब से समझा।

औद्योगिक भ्रमण के दौरान झील कंपनी की प्रोजेक्ट अधिकारी सुश्री तृप्ति शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कपड़ों की कटाई, सिलाई, आधुनिक प्रिंटिंग तकनीकों, क्वालिटी चेकिंग से लेकर तैयार कपड़ों की पैकेजिंग और मार्केटिंग की संपूर्ण प्रक्रिया को



चरणबद्ध तरीके से विस्तार से समझाया। विद्यार्थियों ने फ़ैक्टरी फ्लोर पर स्वचालित मशीनों द्वारा वस्त्र निर्माण की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों में भारी उत्साह देखा गया। थ्योरी क्लास में पढ़ी गई बातों को जब छात्रों ने व्यावहारिक रूप में देखा, तो उन्होंने गारमेट डिजाईनिंग, मार्केट ट्रेंड्स और सेल्युलर-एंग्लोमेंट (स्वरोजगार) की संभावनाओं से जुड़े कई सवाल पूछे। प्रोजेक्ट अधिकारी एवं कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों ने छात्रों की सभी जिज्ञासाओं का सहजता से समाधान किया।

विद्यार्थियों के इस शैक्षणिक दल को अनुशासित एवं व्यवस्थित रूप से भ्रमण कराने में विद्यालय के शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भ्रमण के दौरान प्रदीप पांडेय (व्याख्याता), जितेंद्र रावल (उच्च श्रेणी शिक्षक), भूपेंद्र परमार (उच्च माध्यमिक शिक्षक), श्रीमती ज्योति धोलेकर (हेल्थ केयर शिक्षिका) एवं सुश्री हिना मुर्वेज (आईटी शिक्षिका) विशेष रूप से उपस्थित रहे और छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय प्राचार्य के अनुसार, इस प्रकार के औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल का विकास होता है। आने वाले समय में ये छात्र-छात्राएं न केवल उद्योगों के अनुकूल तैयार होंगे, बल्कि स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए भी प्रेरित होंगे।

सीट बेल्ट और हेलमेट को लेकर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान, नियम तोड़ने वालों पर चालानी कार्रवाई



बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए बड़ावदा थाना पुलिस द्वारा सीट बेल्ट एवं हेलमेट को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी संतोष चौरसिया के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी।

थाना प्रभारी चौरसिया ने वाहन चालकों से कहा कि सीट बेल्ट प्रशासन की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि स्वयं हमारी सुरक्षा के लिए है। इसी तरह दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पुलिस से बचने के लिए नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन की सुरक्षा के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कार्रवाई

करना नहीं, बल्कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाना भी है।

अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले लोगों को रोककर हेलमेट के महत्व के बारे

में समझाया गया। वहीं कार चालकों को सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की गई। पुलिस ने कार्रवाई के साथ वाहन चालकों को भविष्य में नियमों का पालन करने की समझाइश दी।

इस दौरान शिव यादव, मोहन बड़ोदिया, जगदीश कुमावत, जितेंद्र बारिया, गोपाल सोनगरा, देवेंद्र प्रकाश सहित थाना स्टॉफ मौजूद रहा।

पुलिस की इस पहल से यह संदेश दिया गया कि यातायात नियम केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। थाना प्रभारी संतोष चौरसिया एवं पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई के साथ आमजन को समझाइश देने की पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

मिलन सेवा कार्यक्रम परियोजना स्तरीय आयोजित किया गया



कार्यक्रम परियोजना स्तरीय आयोजित किया गया। परियोजना अधिकारी मुकेश वर्मा के मार्गदर्शन पर आयोजित किया गया जिसमें गर्भवती माता, धात्री माता किशोरी बालिका एवं बच्चों को आयरन, विटामिन, कैल्शियम के बारे में समझाईश दी गई वहीं गर्भवती माता को हरी सब्जी, फल, दूध आदि का सेवन करने की समझाईश दी गई। उन्हेल शहर की ग्रामीणी की समस्त आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण प्रदर्शनी मे आंगनवाडी केंद्र पर सांझा चूल्हा द्वारा तैयार किये गए खिचड़ी व दलिया के भिन्न-भिन्न व्यंजन को बनावर लाया गया और उनका महत्व हितग्राहियों को समझाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीपप्रज्वलित कर किया गया। ग्राम पंचायत लसुडिया

चुवड की सरपंच श्रीमती राजकुँवर पिपावद पूर्व आंगनवाडी कार्यकर्ता शीला इंग्ले का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर आंगनवाडी कार्यकर्ता संतोष इंग्ले लसुडिया चुवड, सुलोचना उपाध्याय आरोलिया जस्सा, निर्मला चौहान जियाजीगढ़ संगीता शर्मा करनावद, उमा आंजना गुराड़िया सांगा, दीपा सिसोदिया चिंकुंगंज, पिंकू कुँवर, अनिता बैरागी पिपल्या डाबी, सपना परिहार झिरनिया उन्हेल आदि उपस्थित थी।

मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करने वाले नन्हे कलाकारों का श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया सम्मान



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया श्री गणेश उत्सव समिति वेद गली के नन्हे बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए स्वयं के द्वारा निर्मित मिट्टी की गणेश प्रतिमा का निर्माण कर स्थापना की समिति के सदस्य लखन सेन अश्विन सेन आराध्य शर्मा शिवांश शर्मा जयवर्धन उपाध्याय केशव चौहान अजय सेन द्रव नाहटा ने अपनी जेब खर्च की राशि बचाकर इस बार मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने का निर्णय लिया दो माह की मेहनत के बाद गणेश प्रतिमा को नन्हे हाथों ने आकर दिया नन्हे कलाकारों कि इस पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल बताते हुए उनके इस प्रयासों की सराहना करते हुए गुरुवार को श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया नगर इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल नगर मीडिया प्रभारी संजय शर्मा गोलू गुप्ता महिला मंडल नगर अध्यक्ष वर्षा कुशवाह के द्वारा मंडल के सभी सदस्यों का बाबा श्याम का दुपट्टा पहना कर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुशील कुमार गेहलोत ने कहा कि नन्हे कलाकारों द्वारा मिट्टी की प्रतिमा का निर्माण किया गया है वह वाकई में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय पहल है।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में 29 सितम्बर को सार्वजनिक अवकाश घोषित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की अधिसूचना में प्राप्त निर्देशानुसार पंचायत उप निर्वाचन 2026 (पूर्वार्द्ध) के अंतर्गत जिले के संबंधित ग्राम पंचायत एवं निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस 29 सितम्बर 2026 (मंगलवार) को एक दिवसीय सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिला पंचायत सदस्य पद के निर्वाचन के लिए जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 06, विकासखण्ड अणूपुर की 23 ग्राम पंचायतों तथा सरपंच पद के निर्वाचन के लिए ग्राम पंचायत पलासखोरे, विकासखण्ड थांदला के संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में निवास करने वाले शासकीय एवं अर्द्धशासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए 29 सितम्बर को सामान्य अवकाश रहेगा।

शाही मस्जिद के हिस्से पर हथौड़े चले तो उज्जैन में पथराव, आंसू गैस और लाठीचार्ज

सिंहस्थ की सड़क चौड़ीकरण कार्रवाई के दौरान बिगड़ा माहौल- 10 पर एफआईआर, महिला टीआई घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच सोमवार को शाही मस्जिद का सड़क की जद में आ रहा हिस्सा हटाने की कार्रवाई ने उज्जैन में तनाव पैदा कर दिया। कंठल चौराहे से गोपाल मंदिर तक प्रस्तावित 15 मीटर चौड़ी सड़क के लिए मस्जिद का करीब 10 फीट बाधक हिस्सा हटया जा रहा था। प्रशासन से बातचीत के बाद मस्जिद कमेटी और समाज के लोग खुद यह हिस्सा हटाने पहुंचे, लेकिन कुछ देर बाद विरोध, नारेबाजी और पथराव शुरू हो गया।

पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बां में लाठीचार्ज कर भीड़ को हटाया। मामले में 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पथराव में फ़ाइम ब्रांच की महिला टीआई पुष्पा पांचाल को चोट लगी।

दोपहर 12 बजे फिर पत्थर फेंके, पुलिस ने संभाला मोर्चा - सुबह मस्जिद का बाधक हिस्सा हटाने का काम शुरू हुआ था। प्रशासन और समाज के प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनने के बाद समाजजन स्वयं तोड़ई और थो। इसी दौरान कुछ लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी। इसके बाद कार्रवाई के विरोध में मुस्लिम समाज का एक तबका आगर नाके पर जमा हो गया। दोपहर करीब 12 बजे यहां फिर पथराव हुआ, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज

पत्ती से विवाद के बाद छत से कूदा पति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्नी से विवाद होने के बाद पति मकान की छत से कूद गया। उसका एक हाथ टूटा है दोस्त उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। ढांचा भवन में रहने वाला उज्जवल पिता अजय पांडे आँटो डील का काम करता है। उसकी पत्नी पुष्पि से पारिवारिक बातों को लेकर विवाद हो गया था। पत्नी ने उसे काफी भला बुरा कहा जिससे वह काफी दुखी हो गया और घर की तीसरी मंजिल की छत पर जाने के बाद कूद गया। उसका एक हाथ टूट गया। दोस्त विनोद को उसके छत से कूदने की जानकारी लगी तो वह ढांचा भवन पहुंचा और उज्जवल को उपचार के लिए अस्पताल लेकर आया। छत से कूदने की सूचना मिलने पर पुलिस उसके बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंची थी।

फूल तोड़ रही वृद्धा को सांप ने काटा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रघुनाथ धाम आश्रम में फूल तोड़ रही वृद्धा को सांप ने काट लिया। वृद्धा को चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महावीर नगर में रहने वाली विष्णुबाई पति चिरईजीलाल त्रिवेदी 60 वर्ष मंगलनाथ मार्ग पर रघुनाथ धाम आश्रम में खाना बनाने का काम करती है। आज सुबह आश्रम पहुंचने के बाद वह परिसर में लगे फूल तोड़ रही थी इस दौरान सांप ने उनके ह्थ पर काट लिया। विष्णुबाई की चीख सुनकर आश्रम के अन्य लोग पहुंचे और उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने स्नेक बाइट का मामला होने पर वृद्धा को उपचार के लिए भर्ती किया है। हालत खतरे से बाहर बताई गई है लेकिन 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखने की बात कही गई है।

बेटी को ससुराल छोड़ने आये पिता-भाई पर हमला



हमला कर दिया। पुलिस में मामला जांच में लिया है। रतलाम के अलकापुरी में रहने वाली प्रिया राठौर का कुछ साल पहले शंकरपुर में रहने वाले प्रदीप के साथ विवाह हुआ था। रक्षाबंधन पर प्रिया अपने मायके गई थी लेकिन पति उसे वापस लेकर नहीं आ रहा था। रविवार को प्रिया को उसके ससुराल छोड़ने के लिए पिता अभय पिता प्रेमचंद और भाई आशीष उज्जैन आए थे इस दौरान प्रिया के पति प्रदीप ने आभूषण लेकर नहीं आने की बात पर विवाद किया। अभय ने दामाद को समझने की कोशिश की और शादी के समय रकम देने की बात कही लेकिन दामाद प्रदीप ने अपनी भाभी सीमा बाई के साथ मिलकर ससुर और साले पर हमला कर दिया। यही नहीं गर्भवती पत्नी प्रिया के साथ भी मारपीट की। प्रिया के पिता और भाई को चोट लगने के बाद उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया मामले में पंवासा पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।



कर भीड़ को तितर-बितर किया। मौके पर पहले से भारी पुलिस बल तैनात था। प्रशासन ने बैरिकेडिंग कर क्षेत्र को घेर रखा था। रविवार रात से ही मस्जिद के आसपास बड़ी संख्या में लोग जमा थे।

हाई कोर्ट से भी राहत नहीं, अपील खारिज- इसी बीच शाही मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष को हाई कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। इंदौर खंडपीठ ने मस्जिद पक्ष की अपील खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सुबोध अय्यंकर और न्यायमूर्ति जय कुमार पिह्लई की युगलपीठ ने भोजनावकाश के बाद मामले की सुनवाई की। विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाना था। मस्जिद कमेटी ने पहले एकलपीठ में याचिका लगाकर कार्रवाई पर रोक की मांग की थी। याचिका खारिज होने के बाद युगलपीठ में अपील की गई। मस्जिद पक्ष का दावा था कि इमारत पुरानी है और उसके ऐतिहासिक दस्तावेज मौजूद हैं। इमाम मोहम्मद इब्राहिम ने

मस्जिद को 636 साल पुराना बताते हुए आशंका जताई थी कि एक हिस्से को हटाने से पूरी संरचना प्रभावित हो सकती है। एक तरफ 4 तो दूसरी तरफ 9 फीट हिस्सा सड़क की जद में- मास्टर प्लान-2035 के तहत कंठल चौराहे से गोपाल मंदिर तक 15 मीटर चौड़ा मार्ग प्रस्तावित है। मस्जिद का एक हिस्सा निर्धारित सड़क सीमा में आ रहा है। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक एक तरफ करीब 4 फीट और दूसरी तरफ करीब 9 फीट हिस्सा हटाना जाना है। यह मार्ग महाकालेश्वर मंदिर, गोपाल मंदिर और शिप्रा तट को जोड़ता है। सिंहस्थ और बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही आसान बनाने के लिए इसका चौड़ीकरण किया जा रहा है।

शहर काजी बोले- रात में ही मामला सुलझ गया, अफवाह पर ध्यान न दें- तनाव के बीच शहर काजी खली कुर्रें रहमान ने समाज के लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की

आंगन मिलन सेवा में 20 हजार से अधिक महिलाओं, बच्चों एवं किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के सभी 824 आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा के दूसरे दिन बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं तथा किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल के निर्देशानुसार चिकित्सा अधिकारियों को रोस्टर के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के ड्यूटीकरण के साथ गर्भवती महिलाओं की एएनसी चेकअप, एनीमिया जांच, शिशुवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार तथा किशोरी बालिकाओं की बीएमआई और रक्ताल्पता की जांच के साथ आवश्यक औषधि वितरण के निर्देश दिए गए थे।

निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग के स्थानीय दलों का गठन कर घंटिया, खाचरीद, उन्हेल, बड़नगर एवं इंगौरिया के सेक्टर अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य शिविर



लगाए गए। शिविरों में निर्धारित स्वास्थ्य जांच के अलावा आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया गया।

बाल विकास परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया गया। इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य शिविरों में 20 हजार से अधिक महिलाओं, बच्चों एवं किशोरियों को स्वास्थ्य

जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श सेवाओं का लाभ मिला।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी ने परियोजना घंटिया के नजरपुर आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर में सहभागिता की। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी संवाद-विमर्श से जोड़ते हुए पोषण व्यवहार में परिवर्तन के लाभ बताए तथा आंगनबाड़ी की सेवाओं का लाभ लेने की अपील की।

सेवा संकल्प अभियान की जीवंत मिसाल: महिदपुर के सादिक खान को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 से मिला पक्का घर



हितग्राही सादिक खान ने स्वयं बताया कि पहले वे कच्चे मकान में रहते थे। आवास योजना का लाभ मिलने के बाद उन्होंने पक्का मकान बना लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री का आभार

व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उनके परिवार को स्थायी छत मिली है।

योजना संबंधी विवरण के अनुसार

उज्जैन, मंगलवार 29 सितम्बर 20263 महीने बीते... 88,601 बच्चों की यूनिफॉर्म अब तक अटकी

टेंडर विवाद में फंसी 350 करोड़ की खरीदी- सिली ड्रेस मिलेगी या 600 रुपए डीबीटी से आएंगे, सरकार ने नहीं किया साफ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नया शिक्षा सत्र शुरू हुए करीब तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों के बच्चों को अब तक यूनिफॉर्म नहीं मिली है। प्रदेश के पहली से आठवीं तक के 52 लाख से ज्यादा बच्चों को दो जोड़ी यूनिफॉर्म दी जानी है। उज्जैन में ही 1,721 स्कूलों के 88,601 बच्चे बिना यूनिफॉर्म के स्कूल पहुंच रहे हैं। यूनिफॉर्म कब मिलेगी, सिली हुई ड्रेस आएगी या सीधे खाने में राशि जमा होगी, इसे लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है।

दरअसल, इस बार सरकार ने बच्चों को तैयार यूनिफॉर्म देने का फैसला लिया था। इसके लिए मप्र पाठ्यपुस्तक निगम ने जून में करीब 350 करोड़ रुपए का केंद्रीय टेंडर जारी किया। टेंडर की शर्तों को लेकर स्थानीय बुनकरों, एमएसएमई और पावरलूम संगठनों ने आपत्ति जताते हुए हाईकोर्ट का रुख कर लिया।

मस्जिद के बाहर विरोध, भीतर समाजजन ने खुद संभाली तोड़ई- प्रशासनिक कार्रवाई की आशंका के चलते शनिवार रात से ही बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के भीतर और बाहर जुटने लगे थे। रविवार को नारेबाजी और विरोध जारी रहा। इसके बाद प्रशासन के बैरिकेडिंग के साथ पुलिस और आरएफ की तैनाती बढ़ा दी थी। सोमवार को बातचीत के बाद मस्जिद का बाधक हिस्सा समाज के लोगों ने स्वयं हटाना शुरू किया, लेकिन इसी दौरान विवाद ने ह्रिंसक रूप ले लिया।

स्थिति फिलहाल पुलिस नियंत्रण में है। प्रशासन और शहर काजी दोनों ने लोगों से शांति बनाए रखने तथा किसी भी तरह की अफवाह पर भरोसा नहीं करने की अपील की है।



गोविंदा ने भगवान महाकाल के चरणों में दंडवत प्रणाम कर सभी के कल्याण की कामना की। उन्होंने

मिलते ही उनके प्रशंसक भी मंदिर परिसर के आसपास पहुंच गए। मंदिर की निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुसार उन्हें सामान्य तरीके से दर्शन कराए गए।

भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष का दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला उज्जैन ग्रामीण की नवनि्युक्त महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती भारती चौहान का दायित्व ग्रहण समारोह आज जिला भाजपा कार्यालय लोकशक्ति भवन पर हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।साथ ही नवनि्युक्त भाजपा महिला मोर्चा स्व-

सहायता समूह प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक श्रीमती उषा सोनी का भी स्वागत सम्मान किया गया। जिला मीडिया प्रभारी गजेंद्र परमार ने बताया कि समारोह में मुख्य रूप से भाजपा उज्जैन ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, घंटिया विधानसभा विधायक डॉ. सतीश मालवीय,बड़नगर विधायक जितेंद्र पंड्या,जिला महामंत्री राकेश यादव,श्याम शर्मा,कार्यालय मंत्री सुमेरसिंह कालुहड़ा,जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंजर,नागदा न पा अध्यक्ष श्रीमती संतोष गहलोत,जिला नेत्री ऋषु पाटीदार,ज्योति पलोड,अजीता परमार, कृष्णा सूर्यवंशी,वर्षा पाटोदी,मण्डल प्रभारी यशोदा बेगौरी,मण्डल अध्यक्ष उमा पांडे,सहित जिला पदाधिकारीगण,मण्डल पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की बहनें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता,श्यामा प्रसाद जी एवं पं. दीनदयल उपाध्याय जी के चित्र

पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ।

जिला अध्यक्ष श्री राजेश धाकड़ जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि भारतीय जनता पार्टी में महिला शक्ति ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने नारी सशक्तिकरण को जो दिशा दी है, उसे बू्थ तक ले जाने का काम महिला मोर्चा करेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि श्रीमती भारती चौहान के नेतृत्व में महिला मोर्चा ग्रामीण जिले में और अधिक सशक्त होगा और आगामी कार्यक्रमों में बहनों की सक्रिय भागीदारी बढ़ेगी।में नवनि्युक्त महिला मोर्चा अध्यक्ष को अपनी व सम्पूर्ण जिले की और से शुभकामनाएं देता हूँ।

नवनि्युक्त महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती

भारती चौहान ने अपने

उद्घोषन में कहा मुझे जो यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसके लिए मैं जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ और शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। मैं पूरी निष्ठा से संगठन को मजबूत करने का कार्य करूंगी। मेरी कोशिश रहेगी कि जिले के प्रत्येक मंडल, प्रत्येक बू्थ

केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाएं।

प्रधानमंत्री मोदी जी का विकासित भारत-विकासित मध्यप्रदेश का जो विजन है,उसे हम महिला शक्ति के माध्यम से जमीन पर उतारेंगे।मैं सभी वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पित हूँ।

कार्यक्रम को विधायक डॉ सतीश मालवीय व विधायक जितेन्द्र पंड्या ने भी संबोधित किया दोनों ने अपने वक्तव्य में देशहित में और संगठन हित में महिलाओं की भागीदारी पर जोर दिया।

समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने नवनि्युक्त महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष को पुष्पमाला पहनाकर शुभकामनाएं दीं।

सहमति के बाद भी भड़का गुस्सा, शहर काजी के घर पथराव



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाही मस्जिद का चिह्नित हिस्सा हटाने के बाद भी सोमवार को उज्जैन में तनाव फैल गया। सहमति की जगह काजी सामने आने

के बाद कुछ लोग शहर काजी खली कुर्रें रहमान के घर पहुंच गए और पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाठीचार्ज किया और भीड़ को खदेड़ दिया।

मस्जिद के चिह्नित हिस्से को हटाने की कार्रवाई सुबह करीब 9 बजे शुरू हुई। विरोध की सूचना पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटया। प्रशासन के मुताबिक मस्जिद कमेटी और मुस्लिम समाज के लोग सहमति के तहत चिह्नित हिस्सा हटाने की कार्रवाई में शामिल हैं। मस्जिद के आसपास फिलहाल स्थिति शांत है।

सोशल मीडिया से भड़काने का आरोप - एसपी प्रदीप शर्मा के मुताबिक कुछ लोग बाहर से आकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया है और 5 प्रकरण दर्ज किए हैं। सोशल मीडिया के जरिए लोगों को उकसाने के आरोप में एक इफ्तुलुप्सर के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। शहर काजी के घर के बाहर प्रदर्शन करने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

2500 से ज्यादा जवान तैनात- अफवाहों और संभावित विरोध को देखते हुए पूरे शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। 2500 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात हैं। संवेदनशील इलाकों में पुलिस लगातार गश्त कर रही है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

भोपाल के युवक ने उज्जैन में लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल का युवक परिवार के साथ ससुराल श्राद्ध कार्यक्रम में आया था जहां से अपने मामा के यहां पहुंचा और फांसी लगा ली। पुलिस ने परिवार की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया है। शिवाजी गंज थाना क्षेत्र के तिलकेश्वर कॉलोनी स्थित मकान में भोपाल के रहने वाले अतुल पिता मनमोहन परिहार ने रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। पोस्टमार्टम के दौरान पिता मनमोहन परिहार ने बताया कि अतुल ने अपने मां के घर फांसी लगाई है। अतुल का ससुराल ग्राम सोडन में है। श्रद्धा का कार्यक्रम होने पर पूरा परिवार आया हुआ था। रविवार शाम कार्यक्रम के बाद अतुल तिलकेश्वर कॉलोनी में रहने वाले मामा के चर्हा आ गया था। पिता का कहना था कि वह उसे दिन से डिप्रेशन में चल रहा था और भोपाल में टैट बनाने का काम करता है उसकी एक बेटी है। पुलिस के अनुसार फांसी लगाने की वजह सामने नहीं आई है। पोस्टमार्टम के बाद परिवार शव अंतिम संस्कार के लिए भोपाल ले गया है।